मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 95
बुधवार, 15 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

गांधी के शांति दर्शन से विश्व का होगा मार्गदर्शनः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि शांति भारत के अहिंसा और सत्य के दर्शन में गहराई से समाहित है, जिसका प्रचार महात्मा गांधी ने किया था। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना केवल एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि एक साझा ज़िम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में एक सभा को संबोधित करते हुए, जिसकी मेजबानी भारत पहली बार कर रहा है, सिंह ने संघर्षों और हिंसा पर मानवता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सिंह ने कहा कि शांति हमारे अहिंसा और सत्य के दर्शन में गहराई से निहित है। महात्मा गांधी के लिए, शांति केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय, सद्भाव और नैतिक शक्ति की एक सकारात्मक स्थिति थी। हम सभी जानते हैं कि शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर है। यह एक साझा ज़िम्मेदारी है। यह हमें याद दिलाती है कि संघर्षों और हिंसा से ऊपर, मानवता है जिसे कायम रखने की आवश्यकता है। इस मिशन के लिए, जब युद्ध से तबाह लोग ब्लू हेल्मेट्स को देखते हैं, तो यह उन्हें याद दिलाता है कि दुनिया ने

उन्हें त्यागा नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि लगभग 29,000 भारतीय कर्मियों ने कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक, 50 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपनी सेवाएँ दी हैं।

सिंह ने आगे कहा कि पिछले दशकों में, लगभग 2,90,000 भारतीय कर्मियों ने 50 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपनी सेवाएँ दी हैं और अपने पेशेवर कौशल, साहस और करुणा के लिए वैश्विक सम्मान अर्जित किया है।

कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक, हमारे सैनिक, पुलिस और चिकित्सा पेशेवर कमजोर लोगों की रक्षा और समाज के पुनर्निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का योगदान बलिदान से रहित नहीं है, क्योंकि देश के 180 से ज्यादा शांति सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र के झंडे तले अपने प्राणों की आहुति दी है।

मुंबई निवासियों के लिए दिवाली का तोहफा, सरकार ने डॉक्यूमेंट के रजिस्ट्रेशन को बनाया आसान

मुंबई, 14 अक्टूबर। मुंबई में दस्तावेज पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने स्टाम्प कार्यालय पंजीकरण के लिए क्षेत्र सीमा की शर्त को समाप्त करने की घोषणा की है। फडणवीस सरकार ने एक सरकारी राजपत्र अधिसूचना जारी करके इस सुधार की आधिकारिक शुरूआत कर दी है। नए सुधार के तहत, मुंबई शहर और उसके उपनगरों के निवासी, व्यवसायी और कंपनी मालिक अब शहर के छह निर्दिष्ट स्टाम्प कार्यालयों में से किसी पर भी दस्तावेज पंजीकृत करा सकते हैं, चाहे उनका निवास या व्यावसायिक प्रतिष्ठान कहीं भी

हो। इसका मतलब है कि दस्तावेजों को केवल उस क्षेत्र के स्टाम्प कार्यालय में पंजीकृत कराने की पूर्व आवश्यकता को हटा दिया गया है जहाँ संपत्ति या व्यवसाय स्थित है। जिन छह स्टाम्प कार्यालयों में अब दस्तावेज पंजीकृत किए जा सकते हैं, उनमें बोरीवली, कुर्ला, अंधेरी, मुंबई शहर और पुराने कस्टम हाउस के पास मुख्य स्टाम्प कार्यालय में स्टाम्प कलेक्टर के दो कार्यालय (कार्यान्वयन एक और दो) शामिल हैं। इस विस्तार में संपत्ति समझौतों, किराया समझौतों, उत्तराधिकार अधिकारों और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के पंजीकरण शामिल हैं। इस सुधार से मुंबई के निवासियों और व्यावसायिक समुदाय के लिए समय और प्रयास में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है, जिससे प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी और निर्णय लेने और कार्यालय प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। आगामी कृषि सीजन से पहले किसानों की सहायता के उद्देश्य से, महाराष्ट्र सरकार ने भारी बारिश और बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त या गाद से भरे सिंचाई कुओं की मरम्मत की अनुमति देने के लिए खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को अधिकृत किया है।

कहा- एनडीए एकजुट, नीतीश ही नेता : राजीव रंजन

पटना, 14 अक्टूबर। केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने मंगलवार को कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरी तरह एकजुट है और महागठबंधन कोई गठबंधन नहीं, बल्कि धोखेबाजों का गिरोह है। एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने कहा कि अगर महागठबंधन के नेता चुनाव लड़ना चाहते हैं, तो उन्हें जनता के समर्थन से ऐसा करना चाहिए। इसलिए हम कहते हैं कि यह गठबंधन नहीं, बल्कि धोखेबाजों का गिरोह है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जदयू में सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन सहित सभी फैसले नीतीश कुमार की मंजूरी से लिए जाते हैं।

सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी में

कोई भी नीतीश कुमार की सहमति के बिना आगे नहीं बढ़ता। सीट बंटवारे से लेकर व्यक्तिगत सीटों के आवंटन तक, सब कुछ उनकी जानकारी और सहमति से होता है। महागठबंधन पर झूठे दावे फैलाने का आरोप लगाते हुए, जदयू नेता ने कहा, ₹इन (महागठबंधन) लोगों को चुनाव में जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है, इसलिए ये दुष्प्रचार कर रहे हैं। नीतीश कुमार नाराज क्यों होंगे? सिंह ने आगे कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में एकजुट है और उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगा। नीतीश कुमार एनडीए के सर्वमान्य नेता हैं और हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने मंगलवार को विपक्षी महागठबंधन पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बारे में कहानियाँ गढ़ने और अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, झा ने आगे कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार 6 और 11 नवंबर को होने वाले चुनावों के लिए पूरी तरह खुश और तैयार हैं। झा ने कहा, विपक्ष जानता है कि वे चुनाव हार रहे हैं। वे एनडीए में चल रही गतिविधियों के बारे में कहानियाँ गढ़ रहे हैं और अफवाहें फैला रहे हैं।

निजीकरण में बड़े घोटाले की आशंका : बिजली कर्मियों ने उठाए 5 गंभीर सवाल

- 321वें दिन भी निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन, मुख्यमंत्री से सीबीआई जांच व निजीकरण रद्द करने की मांग

सुरेश गांधी

वाराणसी. विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले चल रहा बिजली कर्मियों का निजीकरण विरोधी आंदोलन सोमवार को 321वें दिन में प्रवेश कर गया। बनारस सहित पूरे प्रदेश में बिजली कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की प्रक्रिया में बड़े घोटाले की आशंका जताई और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से तत्काल हस्तक्षेप कर इस पूरे

प्रकरण की सीबीआई जांच कराने तथा निजीकरण का निर्णय निरस्त करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दीपावली से पूर्व राज्य कर्मचारियों को बोनस देने की घोषणा का स्वागत है, लेकिन दीपावली पर रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटे बिजली कर्मियों को भी बोनस का लाभ दिया जाना चाहिए।

1. डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट 2024 में निजी कंपनियों की भूमिकाः लखनऊ में हुई इस मीटिंग में कई निजी घरानों की भागीदारी रही, जिन्होंने कार्यक्रम को स्पॉन्सर किया। समिति ने आरोप लगाया कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण की पृष्ठभूमि इसी बैठक में तैयार की गई। इस मीट में ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन का गठन किया गया, जिसमें यूपी पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल को महासचिव और ग्रेटर नोएडा की निजी कंपनी एनपीसीएल के सीईओ पी.आर. कुमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

2. ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति में हितों का टकरावः समिति ने कहा कि झूठा शपथपत्र देने और अमेरिका में पेनल्टी लगने के बावजूद ग्रांट थॉर्टन नामक कंपनी को नहीं हटाया गया। इसी कंपनी से निजीकरण के दस्तावेज तैयार कराए गए, जिससे भ्रष्टाचार की आशंका और गहरी हो गई।3. गुपचुप तरीके से जारी ड्राफ्ट स्टैंडर्ड बिडिंग डॉक्यूमेंट 2025: यह डॉक्यूमेंट आज तक सार्वजनिक नहीं किया गया, जबकि 2020 में जारी दस्तावेज पर आईं आपत्तियों का निस्तारण भी नहीं हुआ। समिति ने आरोप लगाया कि बिना सार्वजनिक परामर्श के गोपनीय ढंग से निजीकरण का रास्ता साफ किया जा रहा है।

4. कॉर्पोरेट घरानों के साथ मिलीभगत का आरोपः समिति ने कहा कि पूरी प्रक्रिया निजी कंपनियों को भरोसे में लेकर चलाई जा रही है। टाटा पावर के सीईओ प्रवीर सिन्हा के बयानों का हवाला देते हुए संघर्ष समिति ने कहा कि आरएफपी डॉक्यूमेंट उनके सुझाव से तैयार किए गए हैं। यह स्थिति कॉर्पोरेट कार्टेल बनने की ओर संकेत करती है।

5. कौड़ियों के भाव बेची जा रही है बिजली संपत्ति : संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि निगमों की संपत्तियों को इक्विटी के आधार पर निजी घरानों को सौंपने की कोशिश हो रही है। इक्विटी को लॉन्ग टर्म लोन में बदलने के बाद 42 जनपदों की बिजली व्यवस्था कॉर्पोरेट कंपनियों को बेहद कम दामों पर मिल जाएगी।

अब नहीं चलेगा बिना फिटनेस का स्कूली वाहन : एस राजलिंगम

वाराणसी। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में मंगलवार को कमिश्नरी सभागार में मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंडल के चारों जिलों में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की समीक्षा के साथ ही हिट एंड रन मोटर दुर्घटना स्कीम, 2022, स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था, ओवरलोडिंग और प्रेशर हॉर्न के विरुद्ध की गई कार्रवाई की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा पर लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। बिना फिटनेस, मानक या परमिट के चलने वाले स्कूली वाहनों पर तत्काल कार्रवाई हो। ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति न दी जाए। उन्होंने विशेष रूप से गाजीपुर परिवहन विभाग को प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। राजलिंगम ने कहा कि मंडल के सभी जिलों में चिह्नित ब्लैक स्पॉटों का निरीक्षण कर सुधारात्मक कार्रवाई शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने एडीसीपी ट्रैफिक को हाईवे पर बने अवैध कटों की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रकों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने वाराणसी के रामनगर विश्वसुंदरी पुल के पास साइनेज और सर्विस लेन के कार्य, तथा कपसेटी के सर्वोदय इंटर कॉलेज के पास स्पीड ब्रेकर व टी-जंक्शन अहेड साइनेज का कार्य शीघ्र पूरा कराने का आदेश भी संबंधित कार्यदाई संस्था को दिया। बैठक में हिट एंड रन मोटर दुर्घटनाओं में दो लाख रुपये के प्रतिकर को समय पर पीड़ित परिवारों तक पहुँचाने का निर्देश दिया गया। मंडलायुक्त ने कहा कि जो लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को अस्पताल तक पहुँचाते हैं, उन्हें सम्मानित कर राहगीर योजना के तहत 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जानी चाहिए। इससे समाज में मानवता और जागरूकता का संदेश जाएगा। उन्होंने मंडल के सभी जिलों से कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित कितने एफआईआर दर्ज हुए और कितने मामलों में एफआर लगाई गई, इसका विवरण अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए सभी थानों को आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने कहा, ह्लसड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

राजस्थान में सवारियों से भरी चलती बस में भीषण आग, 10 से अधिक यात्री झुलसे

जैसलमेर। जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक निजी बस में मंगलवार दोपहर थईयात गाँव के पास अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि 10-12 यात्री झुलस गए हैं। बस अपने निर्धारित समय से लगभग दोपहर 3 बजे जैसलमेर से रवाना हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थईयात गाँव के पास बस के पिछले हिस्से से धुआँ उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। खबर मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर पहुँचे और बचाव कार्य शुरू किया।

इस्त्राइल-हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

-ललित गर्ग

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्त्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्त्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत

होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्त्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्त्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्त्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्त्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की कूटनीति की जीत से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए। हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही एक आशा की किरण बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

बिहार चुनाव में भाजपा और जदयू में 50-50 का फामूर्ला, कौन बनेगा बड़ा भाई?

अशोक भाटिया

एनडीए के मुख्य घटक दलों भाजपा और जदयू को बराबर संख्या में यानी 101-101 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा, अन्य सहयोगी दलों को भी चुनाव लड़ने के लिए हिस्सेदारी दी गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को छ-छ सीटें दी गई हैं।एनडीए के महासचिव विनोद तावड़े ने इस सीट बंटवारे की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर साझा की। उन्होंने लिखा,संगठित और समर्पित एनडीए परिवार ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण माहौल में सीटों का वितरण पूर्ण किया। सभी सहयोगी दलों के नेताओं और कार्यकताओं ने इस फैसले का खुशी-खुशी स्वागत किया है। सभी साथी कमर कस चुके हैं और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं। इस सीट बंटवारे में स्पष्ट रूप से यह संकेत मिलता है कि भाजपा और जदयू दोनों प्रमुख दल अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बरकरार रखना चाहते हैं। 101-101 सीटों का विभाजन दोनों दलों के बीच संतुलन बनाए रखने की रणनीति है। इसके अलावा, छोटी पार्टियों को हिस्सेदारी देना भी गठबंधन की मजबूती और चुनावी संतुलन बनाए रखने का हिस्सा है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं। यह संख्या इस बात का प्रतीक है कि गठबंधन में छोटे दलों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हम को छह-छह सीटें दी गई हैं, जो चुनाव में उनके स्थानीय और क्षेत्रीय प्रभाव को ध्यान में रखते हुए तय की गई हैं। इस सीट बंटवारें में कोई खास बात नहीं है सिवाय इसके किभाजपा और जेडीयू को बराबर-बराबर सीटें मिल रही हैं। अब तक प्रतीकात्मक ही सही जेडीयू की सीटेंभाजपा से अधिक रहतीं रहीं हैं।

यही कारण है सोशल मीडिया पर आम जनता यह आंकलन कर रही है कि अब बिहार में जनता दल या नीतीश कुमार की बढ़े भाई की भूमिका का अंत आ गया है। लोगों का कहना है किभाजपा ने अपने हिसाब से एनडीए के लोगों को टिकट दे दिया है। जाहिर है कि बिहार विधानसभा चुनावों परिणामों के बाद जेडीयूभाजपा की पिछलग्गू पार्टी बनकर रह जाएगी। पर यह इतना आसान नहीं है। अगर नीतीश कुमार स्वस्थ रहते हैं तो उनकी कुर्सी को चैलेंज करने वाला न कोई एनडीए में है और न ही कोई महागठबंधन में है। जाहिर है कि विधानसभा चुनावों में अगर एनडीए को बहुमत मिलता है तो नीतीश कुमार की कुर्सी सुरक्षित कही जा सकती है।

बताया जाता है कि नीतीश कुमार का कोर वोट बैंक- कुर्मी (4%), कोइरी (6%), और अन्य एइउ (27%) -बिहार की सियासत में एन डी ए की रीढ़ है। 2020 में जे डी यू ने 43 सीटें जीतीं, लेकिन उनका वोट शेयर (15%) एन डी ए की कुल 37% वोट हिस्सेदारी का अहम हिस्सा था।भाजपा का अपना वोट (23%) अपर कास्ट और शहरी मध्यम वर्ग तक सीमित है। नीतीश कुमार की उम्र पर अगर ध्यान दें तो ये उनकी अंतिम राजनीतिक पारी हो सकती है। भाजपा जानती है कि जब तक नीतीश कुमार मजबूत हैं तब तक जेडीयू का अस्तित्व है। नीतीश कुमार अगर स्वास्थ्य कारणों से पार्टी के रोजमर्रा की राजनीति से दूर होते हैं तो पार्टी बिखर जाएगी। ऐसे में उनके कोर वोटर्स जैसे एइउ और महादलित वोटर महागठबंधन (आर जे डी +कांग्रेस) या प्रशांत किशोर की जन सुराज की ओर खिसक सकते हैं। जाहिर है किभाजपा के लिए फिर बिहार को फतह करना हमेशा के लिए मुश्किल हो जाएगा। यही कारण है किभाजपा नीतीश कुमार का साथ कभी नहीं छोड़ेगी। भाजपा का सहयोगी दलों के साथ रिश्तों में विश्वसनीयता का सवाल बिहार में नीतीश की स्थिति को और मजबूत करता है। यूपी में 2022 मेंभाजपा ने अपना दल और निषाद पार्टी को कम सीटें देकर उनके साथ तनाव पैदा किया। झारखंड में ए जे एस यू और खटट के साथ गठबंधन टूटने सेभाजपा को 2019 में नुकसान हुआ। बिहार में नीतीश के साथ ऐसा जोखिमभाजपा नहीं ले सकती।अगर चुनाव जीतने के बादभाजपा नीतीश को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कोशिश करती है तो इसका संदेश यूपी और झारखंड जैसे राज्यों में सहयोगी दलों के साथ ईबीसी वोटों पर भी पड़ेगा।भाजपा को पहले से ही उसके सहयोगी दल शंका की दृष्टि से देखते रहे हैं। अगर नीतीश कुमार को सीएम नहीं बनाया जाता है तो यह संदेश जाएगा किभाजपा ने बिहार में धोखा किया है। नीतीश को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा सहयोगियों को संदेश देना चाहेगी कि वह गठबंधन धर्म निभाती है। 2020 में जे डी यूकी 43 सीटों के बावजूद नीतीश को मुख्यमंत्री बनाया गया, क्योंकिभाजपा को नीतीश की जरूरत थी। 2025 में भी यही रणनीति रहेगी।

नीतीश कुमार एन डी ए के लिए संतुलन बिंदु हैं। बिहार की सियासत में जातिगत समीकरण और सामाजिक गठजोड़ अहम हैं। नीतीश का कुर्मी-एइउ-महादलित वोट बैंक एन डी ए को वह संतुलन देता है, जोभाजपा अकेले नहीं हासिल कर सकती। 2020 में जे डी यूकी 43 सीटें थीं, लेकिन नीतीश की साख ने एन डी ए को 125 सीटें दिलाईं। अगर जे डी यूकी सीटें कम हुईं, तो भी नीतीश की साख और गठबंधन में उनकी भूमिका एन डी ए को बहुमत दिलाएगी। हम के जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश के बिना एन डी ए का संतुलन बिगड़ेगा। नीतीश की कम सीटेंभाजपा को दबाव में ला सकती हैं, लेकिन उनकी जगह कोई और मुख्यमंत्री लाना एन डी ए को अस्थिर करेगा।

सवाल यह भी है कि बिहारभाजपा में कोई ऐसा चेहरा नहीं, जो नीतीश की जगह ले सके। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के पास न तो नीतीश जैसी व्यापक स्वीकार्यता है, न ही एइउ-महादलित वोट खींचने की क्षमता।भाजपा का वोट बैंक (23%) अपर कास्ट (भूमिहार, राजपूत) और शहरी मध्यम वर्ग तक सीमित है। नीतीश की तरह कोईभाजपा नेता पूरे बिहार में स्वीकार्य नहीं है। कुछ लोग महाराष्ट्र का उदाहरण दे रहे हैं ।कहा जा रहा है कि जिस तरह एकनाथ शिंदे को डिप्टी सीएम बना कर देवेंद्र फडणवीस को सीएम बना दिया गया ऐसा ही कुछ बिहार में हो सकता है। पर नीतीश कुमार न एकनाथ शिंदे हैं और न ही भाजपा के पास बिहार में कोई देवेंद्र फडणवीस है।

पर एक यूजर ने एक पोल में पूछा, नीतीश के बादभाजपा का मुख्यमंत्री कौन? 60% ने कहा, कोई नहीं। अगरभाजपा नीतीश कुमार को हटाकर अपना मुख्यमंत्री लाती है, तो एइउ और महिला वोटर (50%) छिटक सकते हैं। 2024 लोकसभा में एनडीए की 30/40 सीटें नीतीश की मदद से आईं। नीतीश की अनुपस्थिति में तेजस्वी यादव की युवा इमेज और ह्यनौकरी नारा एन डी ए को नुकसान पहुंचा सकता है। नीतीश की पलटीमार हिस्ट्रीभाजपा को डराती भी है। 2013 (भाजपा से अलग), 2015 (आर जे डी के साथ), 2017 (एन डी ए में वापस), 2022 (महागठबंधन के साथ)। 2024 में नीतीश फिर एन डी ए में लौटे, और कई बार बोल चुके हैं कि अब कोई पलटी नहीं। लेकिनभाजपा जानती है कि अगर नीतीश को मुख्यमंत्री पद न मिला, तो वह महागठबंधन के साथ जा सकते हैं। और महागठबंधन इसके लिए सहर्ष तैयार भी हो जाएगा।इसके पहले भी महागठबंधन ने नीतीश कुमार के पास कम विधायक होने के बावजूद उनको मुख्यमंत्री बनाया था। पर एक यूजर लिखता है कि नीतीश की पलटी का डरभाजपा को नीतीश को मुख्यमंत्री बनाए रखने पर मजबूर करता है। 2022 में नीतीश ने महागठबंधन जॉइन करभाजपा को झटका दिया था।इसके साथ ही अगर जे डी यूकी सीटें 20-30 तक सिमटीं, औरभाजपा ने नीतीश को मुख्यमंत्री न बनाया तो वह गठबंधन तोड़ भी सकते हैं।

इसराइल-हमास संघर्ष: शांति, कूटनीति और डोनाल्ड ट्रंप

संजीव ठाकुर

लगभग 2 वर्षों के बाद गाजा पट्टी में इसराइल हमास युद्ध अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्तता से थम गया है. इस समझौते में इसराइल के हमास द्वारा बनाए गए इसराइल नागरिक शेष 20 बंधक इसराइल को सौंपें दिए गए बदले में 1900 से ज्यादा बंधकों और फिलिस्तीन कैदियों को रिहा किया गया' इस युद्ध में अरबों रूपयों का आर्थिक नुकसान हुआ और गाजा पट्टी फिलिस्तीन से एक लाख से ज्यादा नागरिक विस्थापित हुए हैं, और मारे गए इजराइल फिलिस्तीन नागरिकों की संख्या बहुत बड़ी है जिसकी सच्चाई का आकलन अभी तक नहीं किया जा पाया है। यह युद्ध विराम मानवता के लिए एक बड़ी राहत संधि मानी जा रही है। इसके बदले डोनाल्ड ट्रंप को इसराइल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी दिया गया है। डोनाल्ड ट्रंप के ताज में शांति समझौते का एक और नया हीरा जुड़ गया है। डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल पुरस्कार प्राप्ति की आकांक्षा 2026 के लिए फिर शुरू हो गई वे अभी भी नोबेल पुरस्कार की दौड़ में बड़े आकांक्षी हैं।

इसराइल-हमास-गाजा पट्टी का संघर्ष दशकों से मध्य-पूर्व की राजनीति का सबसे गंभीर अध्याय रहा है। 1948 में इसराइल के गठन के साथ ही अरब-फि लिस्तीनी विवाद आरंभ हुआ और 1967 के युद्ध के बाद गाजा इसराइली नियंत्रण में आया। 2007 में हमास द्वारा गाजा पर नियंत्रण और इसराइल की नाकेबंदी ने तनाव को और गहरा किया। सितंबर 2023 में हमास ने अचानक इसराइल पर हमला कर लगभग 251 नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले ने न केवल मध्य-पूर्व बल्कि विश्व-राजनीति को भी हिला दिया। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने पहले अब्राहम समझौते के माध्यम से अरब-इसराइल संबंधों में शांति का द्वार खोला था, ने इस संकट को अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ते हुए सक्रिय मध्यस्थता की। ट्रंप ने कतर, मिस्त्र, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर एक बहुपक्षीय शांति प्रारूप तैयार किया। उन्होंने इसे ह्यूमैनिटी फर्स्ट इनिशिएटिव नाम दिया और कहा कि यदि यह समझौता सफल होता है तो मैं नहीं, बल्कि शांति खुद नोबेल की हकदार होगी। जनवरी 2025 में उनके नेतृत्व में हुए समझौते में 33 इजराइली बंधकों की रिहाई हुई, जिनमें 25 जीवित और 8 मृत घोषित हुए। इसके बदले इसराइल ने लगभग 1,700 फि लिस्तीनी कैदियों को छोड़ा। यह गाजा शांति चरण-1 समझौता कहलाया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में शेष 20 जीवित बंधक भी छोड़े गए, जिनकी वापसी को अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ऐतिहासिक राहत माना। इस रिहाई और युद्धविराम की प्रक्रिया में अमेरिका और कतर के साथ भारत की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित रही। भारत ने गाजा में मानवीय सहायता, चिकित्सा उपकरण, खाद्य सामग्री और राहत दल भेजे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दोनों पक्षों से संयम बरतने और आतंकवाद से मुक्त स्थायी शांति की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ है और निर्दोष जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा। भारत की यह संतुलित नीति – जहाँ एक ओर इसराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया गया, वहीं फि लिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा पर भी जोर दिया गया,उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ छवि प्रदान करती है। दूसरी ओर, नाटो देशों की प्रतिक्रिया आरंभ में इजराइल-समर्थक रही। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और कनाडा ने हमास के हमले को आतंकी कार्रवाई बताया और इजराइल को सैन्य, तकनीकी और खुफिया सहायता दी। परंतु जैसे-जैसे गाजा में नागरिक हताहत बढ़े, यूरोपीय संघ और नाटो देशों में मतभेद उभरने लगे। फ्रांस और स्पेन जैसे देशों ने मानवीय संघर्षविराम का आग्रह किया जबकि अमेरिका ने मध्य-पूर्व में स्थायी शांति के लिए कूटनीतिक दबाव बनाए रखा। इस दौरान ट्रंप की व्यक्तिगत भूमिका सबसे निर्णायक बनी रही। उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से कहा कि उनका प्रयास केवल राजनीतिक समाधान नहीं बल्कि मानवता की बहाली है, और उन्होंने इसे अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उन्हें शांति दूत बनाने का प्रयास किया गया है।

इसराइल-हमास-गाजा पट्टी का संघर्ष आधुनिक विश्व की सबसे जटिल मानवीय और राजनीतिक त्रासदियों में से एक है। गाजा पट्टी आकार में भले ही छोटी हो, परंतु इसका इतिहास, भू-राजनीति और संघर्ष की गहराई अत्यंत विशाल है। 1948 में इजराइल राष्ट्र के गठन के साथ ही पहला अरबझ्इजराइल युद्ध छिड़ गया था, जिसके बाद गाजा मिस्त्र के नियंत्रण में आया और 1967 के छह दिवसीय युद्ध में इजराइल ने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। 1990 के दशक में ओस्लो समझौते के बाद सीमित स्वशासन वाली फिलिस्तीनी प्राधिकरण की स्थापना हुई, किंतु इसके कुछ ही वर्षों बाद हमास नामक संगठन ने धीरे-धीरे राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया और 2006 में हुए चुनावों में अप्रत्याशित रूप से विजयी हुआ। 2007 में फतह के साथ संघर्ष के बाद हमास ने गाजा पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। इसके बाद इजराइल ने सुरक्षा कारणों से गाजा की सीमाओं को सील कर दिया और थल, जल, वायु मार्गों पर कड़ी नाकेबंदी लागू कर दी। इसी के साथ गाजा लगातार मानवीय संकट और अस्थिरता का केंद्र बन गया। सितंबर 2023 में विश्व समुदाय तब स्तब्ध रह गया जब हमास ने इजराइल पर अचानक बड़े पैमाने पर हमला किया। इस हमले में रॉकेट बमबारी, सीमा पार घुसपैठ और नागरिकों पर हमले शामिल थे। हमास के लड़ाकों ने लगभग सात सौ इजराइली नागरिकों और सैनिकों को बंधक बना लिया और उन्हें गाजा में अपनी पकड़ में रखा। यह घटना आधुनिक इजराइल के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा विफलताओं में से एक मानी गई। इसके प्रतिकार में इजराइल ने ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड नामक भीषण सैन्य अभियान शुरू किया जिसमें गाजा पर लगातार हवाई और जमीनी हमले किए गए। इस अभियान में हजारों इमारतें ध्वस्त हुईं, सैकड़ों नागरिक मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हो गए। मिस्त्र, कतर और अमेरिका की मध्यस्थता से कई दौर की बातचीत के बाद कुछ बंधकों को मानवीय आधार पर छोड़ा गया, किंतु अधिकांश अब भी लापता हैं। इस युद्ध ने न केवल मध्य पूर्व बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर इस संघर्ष का अंत कहाँ है। गाजा में पहले से ही बिजली, पानी, दवाइयाँ और आवास जैसी सुविधाएँ सीमित थीं। अब स्थिति और भयावह हो गई है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे 21वीं सदी के सबसे बड़े मानवीय संकटों में एक बताया। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, बच्चों और बुजुर्गों की त्रासदी और शरणार्थी शिविरों में बढ़ती भीड़ इस संघर्ष की मानवीय कीमत को दशार्ती है। राजनीतिक दृष्टि से हमास इसे प्रतिरोध का युद्ध कहता है जबकि इजराइल इसे आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई मानता है। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, परंतु बीच में पिस रही है आम जनता, जिसकी पीड़ा किसी भी पक्ष के लिए प्राथमिकता नहीं रह गई है। भविष्य को लेकर तीन संभावनाएँ सामने आती हैं। पहली, निकट भविष्य में स्थिति में स्थायित्व नहीं आने वाला है। तब तक वहाँ की हर सुबह धुएँ और आँसुओं में डूबी रहेगी। यही आज की सबसे बड़ी सच्चाई है–कि युद्ध से कोई विजेता नहीं निकलता, केवल पीड़ा और विनाश शेष रह जाता है।

डेथ केयर इंडस्ट्री, शोक संस्कारों का बाजारीकरण और सामाजिक विरूपण

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

भारतीय समाज में अंतिम संस्कार कभी गहन शोक, पारस्परिक सहयोग और धार्मिक शुद्धि के प्रतीक थे। इनका उद्देश्य केवल आत्मा की शांति नहीं, बल्कि समुदाय में संवेदना और सहअस्तित्व की भावना को जगाना भी था। किंतु अब यह पवित्र परंपरा धीरे-धीरे एक भव्य सामाजिक शक्ति प्रदर्शन और संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है। शोक सभाएँ दुःख से अधिक प्रतिष्ठा प्रदर्शन का माध्यम बन गई हैं।

शोक सभा या सामाजिक आयोजन

हाल ही में एक प्रसिद्ध व्यवसायी की शोक सभा के लिए अखबारों में बड़े साइज के रंगीन विज्ञापन थे, सुबह से ही सोशल मीडिया पर डिजाइनर शोक निमंत्रण वायरल था, जिसमें दिवंगत की तस्वीर के साथ नीचे लिखा था, आपकी उपस्थिति हमारे लिए गौरव होगी। सैकड़ों लोगों को फोन किए गए ताकि भीड़ कम न दिखे। दोपहर तक सभास्थल पर बैनर, फूलों के गेट और मंच सजा दिया गया। प्रवेश द्वार पर डिजिटल स्क्रीन लगाई गई जिस पर श्रद्धांजलि संदेशों के साथ अतिथियों के नाम चमक रहे थे।

मंच पर नगर के राजनेता, उद्योगपति और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी बैठे थे। जैसे ही कोई प्रभावशाली व्यक्ति पहुँचा, कैमरों की फ्लैश चमकी, उद्घोषक ने ऊँचे स्वर में स्वागत किया। भाषणों का दौर शुरू हुआ–जिनमें मृतक का उल्लेख सीमित और परिजनों की प्रतिष्ठा, संस्कार और सामाजिक पहुँच का बखान अधिक था। सफेद वर्दी में वेटर चाय और शीतल पेय परोस रहे थे। भीड़ में बैठे लोग धीरे-धीरे ऊबकर मोबाइल देखने लगे, कई बाहर निकल गए। अंततः यह आयोजन श्रद्धांजलि से अधिक एक प्रदर्शन बन गया।

यह दृश्य बताता है कि शोक अब निजी दुःख नहीं, बल्कि डेथ इवेंट बन गया है। जिसकी सफलता का पैमाना भीड़ की संख्या या वीआईपी की उपस्थिति है। परिवार सोशल मीडिया, डिजिटल कार्ड और फोन के जरिए लोगों को बुलाता है ताकि आयोजन प्रतिष्ठित दिखे। शोक का मूल उद्देश्य, मृतक की आत्मा की शांति और परिजनों को ढाढ़स, पृष्ठभूमि में गुम हो जाता है।

फ्यूनरल मैनेजमेंट का नया कारोबार

अब मृत्यु संस्कार भावनात्मक नहीं, व्यावसायिक हो चुके हैं। कई शहरों में फ्यूनरल मैनेजमेंट सर्विसेज कंपनियाँ सक्रिय हैं, जो अंतिम संस्कार से लेकर तेरहवीं तक का पूरा पैकेज बेचती हैं। कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक के पैकेज उपलब्ध हैं जिसमें अर्थी उठाने वाले लोग, रामनाम सत्य बोलने वाले, पंडित, नाई, से लेकर रोने वाले, भोजन, तेरहवीं और अस्थि विसर्जन तक की व्यवस्था शामिल है।

यह उद्योग स्वाभाविक रूप से मिलने वाले पारिवारिक और सामुदायिक सहयोग की जगह ले रहा है। रिश्तेदार, पड़ोसी और मित्र मिलकर मृतक के परिवार को सहारा देते थे, जबकि आज वही काम कॉन्ट्रैक्ट पर होता है। शोक का मानवीय पहलू अब एक भुगतान आधारित सेवा बन गया है। पंडित से लेकर बैंड-बाजे तक सबकी दरें तय हैं। हर रस्म का मूल्य तय हो चुका है। इससे धार्मिक शुद्धि और श्रद्धा की जगह लाभ और सुविधा की सोच हावी हो गई है। अब संवेदना भी पैकेज में उपलब्ध है, बस भुगतान करें, बाकी सब संभाल लिया जाएगा।

मृत्यु भोजः सामाजिक दबाव और आर्थिक बोझ

शास्त्रों में दुःख के समय भोज का कोई विधान नहीं है, फिर भी आज मृत्यु भोज एक अनिवार्य सामाजिक कर्म बन गया है। समाज के ताने और क्या इनके यहाँ ठीक से तेरहवीं नहीं हुई? जैसे सवालों के डर से परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाता है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज लेकर भी भोज कराते हैं ताकि इज्जत बची रहे।

यह सामाजिक प्रतिष्ठा का दबाव एक नए प्रकार की हिंसा है – जो मानसिक और आर्थिक दोनों है। महाभारत में कहा गया है कि भोजन तब ही किया जाए जब भोजन कराने और करने वाले दोनों का मन प्रसन्न हो। दुःख के समय यह भाव असंभव है, इसलिए यह परंपरा शास्त्र विरुद्ध और भावना शून्य है।

तेरहवीं का वास्तविक उद्देश्य केवल ब्राह्मणों को भोजन और दान देना है, न कि हजारों लोगों के भोज का आयोजन। आज यह रस्म पगड़ी और सामाजिक भोज के मिश्रण में बदल गया है, जहाँ मृतक से अधिक नए मुखिया के स्वागत का प्रदर्शन होता है। यह सब दिखावे और प्रतिस्पर्धा की मानसिकता से प्रेरित है।

राजनीतिकरण और आत्म-प्रशंसा का मंच

शोक सभा अब राजनैतिक और सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए मंच बन चुकी है। जनप्रतिनिधि और प्रभावशाली लोग इन आयोजनों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं, ताकि संवेदनशील छवि बनी रहे। वहीं आयोजक परिवार के लिए यह गर्व का विषय होता है कि फलाँ मंत्री या सांसद आए थे। भाषणों में मृतक की जीवनयात्रा की चर्चा कम, वक्ताओं की आत्म-प्रशंसा और वैचारिक प्रदर्शन अधिक होता है। मंच से नीतियों, योजनाओं, और विचारधाराओं पर भाषण दिए जाते हैं, मानो यह कोई संगोष्ठी हो। परिणामतः शोक सभा श्रद्धांजलि नहीं, आत्मप्रशंसा का अवसर बन जाती है। कई बार तो मंच पर वक्ता समय सीमा से अधिक बोलते हैं और श्रोता ऊबकर कसमसाने लगते हैं। यह दृश्य न केवल संवेदनाओं की कमी, बल्कि समाज के भीतर पनप रही लोक दिखावे की मानसिकता का दर्पण है, जहाँ दुःख भी एक अवसर बन चुका है दिखने और दिखाने का।

संवेदनाओं का पतन और सामाजिक मनोविज्ञान

इन आयोजनों के पीछे सामाजिक प्रतिष्ठा पाने की तीव्र लालसा छुपी होती है। मनुष्य चाहता है कि समाज उसे रिसोर्सफुल और प्रतिष्ठित माने। यही कारण है कि लोग शोक जैसी निजी पीड़ा को भी सार्वजनिक प्रदर्शन में बदल देते हैं। आज का समाज धीरे-धीरे भावनात्मक रूप से अलग-थलग होता जा रहा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और डिजिटल जीवन के विस्तार ने लोगों को संवेदना से दूर कर दिया है। जो कभी आँसू और मौन से व्यक्त होता था, अब फूलों के गेट, भाषणों और फोटो से भरा है।

इस पब्लिक डिस्प्ले ऑफ ग्रीफ (दुःख का सार्वजनिक प्रदर्शन) ने शोक को आत्मा की शांति से हटाकर सामाजिक प्रतिष्ठा की दौड़ में डाल दिया है। मृत्यु अब सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि डेथ इवेंट है, जहाँ दुःख भी प्रायोजित हो सकता है।

धार्मिक और नैतिक विकृति

शास्त्रों में शोक को आत्मनिरीक्षण और वैराग्य का अवसर माना गया है। परंतु जब यह आयोजन बाहरी भव्यता में बदल जाता है, तो आत्मशुद्धि का स्थान आत्मप्रदर्शन ले लेता है। पंडालों, पोस्टरों और कैटरिंग से सजी शोक सभाएँ उस संस्कृति का अपमान हैं जिसने सादगी और मौन को सर्वोच्च सम्मान दिया था। धर्म का उद्देश्य था, मृत्यु के क्षण में अनित्यता का बोध। पर आज शोक का अवसर हैसियत का प्रदर्शन बन गया है, कि हमारे पास कितनी पहुँच, कितने संबंध और कितनी संपत्ति है। यह प्रवृत्ति केवल आध्यात्मिक नहीं, सामाजिक पतन का भी संकेत है।

समाज को आत्ममंथन की आवश्यकता

मृत्यु संस्कारों का यह व्यावसायीकरण हमारे समाज की आत्मा को खोखला कर रहा है। यह उस दिशा में बढ़ता कदम है जहाँ भावनाएँ खरीदी और बेची जा सकती हैं। जरूरत है कि हम फिर से उस सरलता और संवेदना की ओर लौटें, जिसमें शोक सभा मौन और आत्मिक हो, न कि मंच और माइक्रोफोन की गूंज से भरी।

समाज को यह तय करना होगा कि वह शोक को उद्योग बनने देगा या आत्मा का शुद्धिकरण बनाए रखेगा। स्थानीय प्रशासन और सामाजिक संस्थाएँ यदि मृत्यु भोज और भव्य आयोजनों पर संयम का संदेश दें, तो धीरे-धीरे यह दिखावा घट सकता है। आज आवश्यकता है पुनर्विचार की – कि क्या हम मृत्यु के अवसर पर भी हैसियत के प्रदर्शन में लगे रहेंगे? या फिर उस भारतीय परंपरा को पुनर्जीवित करेंगे जिसमें शांति और संवेदना जैसे शब्दों का वास्तविक अर्थ था मौन, सरलता और आत्मीयता।

डहाणू में राजनीतिक उठापटक : उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में दिग्गजों का शिवसेना में प्रवेश

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के पालघर जिला के डहाणू तहसील में मंगलवार को बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला, जब राज्य के उपमुख्यमंत्री व शिवसेना के मुख्य नेता एकनाथजी शिंदे की उपस्थिति में विभिन्न दलों के कई प्रभावशाली नेताओं ने शिवसेना का दामन थाम लिया।

शिवसेना में शामिल होने वालों में प्रमुख नाम हैं । जिसमें डहाणू के दबंग नेता व पूर्व उपनगराध्यक्ष राजू माच्छी, शिक्षणमहर्षी मिलिंद पाटील, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पूर्व नगरसेवक सईद शेख, भाजपा के पूर्व शहराध्यक्ष मिलिंद मालवे, उबाठा की पूर्व नगरसेविका माधुरी धोडी, शिक्षक आघाडी के जिलाध्यक्ष चंद्रकांत खुताडे, भाजपा के शहर उपाध्यक्ष वैभव मर्दे, उबाठा के पूर्व उपशहर प्रमुख हसमुख धोडी, आसवे ग्रामपंचायत के सरपंच विष्णू गुरोडा, उपसरपंच पिंटू सावरा तथा सावटा ग्रामपंचायत सदस्य हितेश माच्छी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी शिवसेना में शामिल हुए। इस सामूहिक प्रवेश से डहाणू की स्थानीय राजनीति में नई हलचल मच गई है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, इस कदम से साफ संकेत मिल रहे हैं कि शिवसेना ने अब डहाणू नगरपरिषद चुनावों के लिए पूरी ताकत झोंकने की तैयारी कर ली है। पार्टी का लक्ष्य नगराध्यक्ष सहित अधिक से अधिक नगरसेवक सीटें जीतना है।पार्टी नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में डहाणू नगरपरिषद के और भी कई पदाधिकारी शिवसेना में शामिल होंगे, जिससे संगठन और मजबूत होगा। इस अवसर पर जिला संपर्कप्रमुख रवींद्र फाटक, शिवसेना जिलाप्रमुख कुंदन संखे, उपनेते निलेश सांबरे एवं उपनेत्या ज्योती मेहेर समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधायक कुमार आयलानी ने किया विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन

चेतन निर्मल संवाददाता/ उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र कब अंतर्गत आने वाले ग्रामीण भाग कांबा के तहत वाघेरे पाड़ा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन विधायक कुमार आयलानी के शुभ हाथों से किया गया। बतादें की आमदार द्वारा चुनाव पूर्व किए गए वादों को अमली जामा पहनाने का काम किया जा रहा है। वाघेरे पाड़ा में श्मसान भूमि सुशोभीकरण, विभिन्न सड़को का निर्माण, शेड, जिला परिषद स्कूल का सुशोभीकरण आदि के कार्यों की शुरूवात का भूमि पूजन किया गया। इस दौरान विधायक कुमार आयलानी ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया और लोगों से जानकारियां ली। वही जिला परिषद स्कूल में बच्चों से मिले, उन्हें मिठाईयां दी तथा बच्चों से संवाद किया। वहीं स्कूली बच्चों द्वारा विधायक कुमार आयलानी का स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर सरपंच उषा भास्कर गावंडे , उपसरपंच दत्ता आलोराम भोईर, सदस्य अरुण वसंत शिरोशे, सदस्या भारती महेंद्र भगत, ग्रामविकास अधिकारी कांबा सुनंदा शशिकांत पाटील , मधुकर शिरोशे चिंतामण चौधरी अरुण तुर्भेकर संजय भोईर योगेश देशमुख माजी सरपंच मंगेश बनकरी राजेश बनकरी महेंद्र भगत मंगला चांडा उमेश सोनार समेत तमाम ग्रामीण व आसपास के गांवों के लोग भी उपस्थित थे।

तनिष्क का नया 'मृगांक' - फेस्टिव कलेक्शन जो आपको दिव्य दुनिया की सफर करवाता है

मुंबई/पटना। भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा, तनिष्क ने त्योहारों के सीजन के लिए, प्रस्तुत किया है आकर्षक कलेक्शन 'मृगांक', जो पौराणिक और कल्पनाशील दुनिया से प्रेरित है, जहाँ तैरते महल, दिव्य उद्यान और अलौकिक जीव सोने में साकार होते हैं। कहानी कहने की कला और सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रतीकों का उपयोग भारत में सदियों से मशहूर है, मृगांक का हर आभूषण उन्ही से प्रेरित होकर त्यौहार की भावना को सम्मानित करता है। साहसी, कल्पनाशील और आश्चर्यजनक रूप से अलौकिक - मृगांक की इस भावना को मूर्त रूप देने के लिए तनिष्क ने पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्टर मानुषी छिल्लर को चुना है। तनिष्क का विचार एक ऐसी दृश्य दुनिया बनाने का था, जो ट्रेंड्स से परे हो, जहाँ हर तत्व, चाहे वह एक रहस्यमयी श्रीडी पक्षी हो या एक शानदार महल, आश्चर्य और उपस्थिति का एहसास जगाएगा। पौराणिक जीवों और काल्पनिक फूलों से प्रेरित, मृगांक को कल्पना की तरह शानदार और सपनों की तरह भव्य बनाया गया है। स्टोन-ऑन-स्टोन जड़ाऊ, बेडरूम, चांडक, रस रवा और जटिल जाली परतों जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके तैयार किए गए इस कलेक्शन में रंगीन कुंदन, मीनाकारी और श्रीडी मोटिफ का खूबसूरत मिलाप है।

डाबर हाजमोला ने लॉन्च किया 'इंडिया का नंबर 1 चटकारेबाज'

मुंबई/पटना। डाबर हाजमोला ने 'इंडिया का नंबर 1 चटकारेबाज' नाम का एक अनोखा सोशल मीडिया रियलिटी शो इंस्टाग्राम पर शुरू किया है। यह पहल देश भर के मजेदार और हाजिरजवाब क्रिएटर्स को अपना टैलेंट दिखाने का मौका दे रही है। इसमें उन्हें रोज की गपशप और ताजा खबरों को चटकारेदार रील्स में बदलना होगा। इस शो को श्बैंग दिल्ली ने बनाया है। यह अपनी तरह का पहला डिजिटल शो है जो हाजमोला को एक ऐसे ब्रांड के रूप में दिखाता है जो मजेदार बातों और ह्यूमर को बढ़ावा देता है। डाबर हाजमोला के मार्केटिंग वीपी, अजय परिहार ने कहा, हम कुछ ऐसा बनाना चाहते थे जो मजेदार हो और आज के युवाओं से सीधे तौर पर जुड़े। 'इंडिया का नंबर 1 चटकारेबाज' उन लोगों के लिए है जो रोज की खबरों को मनोरंजक बना सकते हैं। यह शो बेबाक आवाजों को चमकने का एक मंच दे रहा है। बैंग की क्रिएटिव लीड, यशसवी टिक्कू ने कहा, इस शो की सबसे अच्छी बात यह है कि इंस्टाग्राम पर पहली बार खबरों और कॉमेडी को इस तरह मिलाया जा रहा है।

अभय भुतडा फाउंडेशन ने महाराष्ट्र बाढ़ पीड़ितों की मदद हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 करोड़ रुपए का दान दिया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एकजुटता और करुणा की प्रभावशाली पहल के रूप में, अभय भुतडा फाउंडेशन ने महाराष्ट्र में बाढ़ से प्रभावित समुदायों की सहायता के लिए 8 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। इस राशि में से 5 करोड़ रुपए सीधे महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किए गए हैं, ताकि राज्य में आई भीषण बाढ़ के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

व्यवसायी, परोपकारी और अभय भुतडा फाउंडेशन के अध्यक्ष, सीए अभय भुतडा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मुंबई जाकर व्यक्तिगत रूप से 5 करोड़ रुपए का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस समय पर किए गए योगदान की दिल से सराहना की और इसे सरकार द्वारा संचालित पुनर्वास एवं राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी अहमियत पर जोर दिया। मुख्यमंत्री राहत कोष में दान के अलावा, अभय

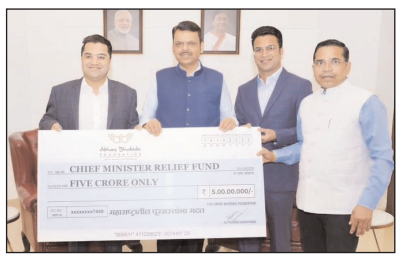

भुतडा फाउंडेशन ने मराठवाड़ा क्षेत्र में काम कर रही स्थानीय संस्थाओं को 3 करोड़ रुपए की सहायता भी प्रदान की है, खास तौर पर उन किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जो बाढ़ से प्रभावित होकर अपने घर, रोजगार और उम्मीद को फिर से बसाने की कोशिश कर रहे हैं।

सेवा करना केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का आह्वान है, सीए अभय भुतडा ने कहा। सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक, लातूर में जन्म लेने के नाते, यह आपदा मुझे बेहद व्यक्तिगत रूप से महसूस होती है। हमारे किसान और समुदाय साहसी हैं, लेकिन उन्हें फिर से उठने के लिए हमारी सामूहिक मदद की आवश्यकता है। मैं महाराष्ट्र के हर नागरिक से आग्रह करता हूँ कि वे एकजुट होकर आगे आएँ और उदारता से योगदान दें। अभय भुतडा फाउंडेशन स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक संरक्षण और आपदा राहत जैसे प्रभावशाली पहलों के माध्यम से जीवन को उन्नत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समावेशी विकास और दीर्घकालिक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, फाउंडेशन ने पूरे भारत में अबतक 5 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव लाया है। इस नवीनतम योगदान से यह स्पष्ट होता है कि फाउंडेशन संकट के समय में समुदायों के साथ खड़े रहने और उन्हें एक आशाजनक भविष्य की ओर सशक्त बनाने के अपने अडिग संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

जसलोक हॉस्पिटल ने ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में की 'बिना निशान' सर्जरी

मुंबई। मुंबई स्थित जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने स्तन कैंसर के उपचार में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल की टीम ने पहली बार एंडोस्कोपिक स्किन एवं निपल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी (E-NSM) सर्जरी सफलतापूर्वक की, जिसके बाद TiLoop मेश तकनीक का उपयोग करते हुए तत्काल ब्रेस्ट पुनर्निर्माण किया गया। यह बिना निशान वाली मास्टेक्टॉमी भारत में केवल दूसरी बार की गई सर्जरी है और इसे 27 वर्षीय अविवाहित महिला पर अंजाम दिया गया। इस अत्याधुनिक तकनीक ने न केवल कैंसर के उपचार को पूरी तरह सुरक्षित बनाया, बल्कि निशान को भी लगभग अदृश्य कर दिया, जिससे परिणाम अत्यंत संतोषजनक रहे। जब मरीज पहली बार जसलोक अस्पताल पहुंचीं, तो उनके बाएँ स्तन में लगभग 4-5 सेंटीमीटर का ट्यूमर पाया गया। प्रारंभिक उपचार के रूप में डॉक्टरों ने कीमोथेरेपी शुरू की ताकि ट्यूमर सिकुड़ सके। इस दौरान किए गए जेनेटिक परीक्षण में इफ्छअ जीन पॉज़िटिव पाया गया, जिससे भविष्य में कैंसर का खतरा और बढ़ गया। इसे देखते हुए विशेषज्ञों ने आधुनिक सर्जिकल विकल्प अपनाने की सलाह दी। आमतौर पर पारंपरिक मास्टेक्टॉमी में 10-12 सेंटीमीटर का बड़ा चीरा लगाया जाता है, जिससे स्पष्ट निशान रह जाते हैं और मरीज की शारीरिक बनावट पर असर पड़ता है। मरीज की उम्र और उनकी भावनात्मक चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, डॉ. संदीप एम. बिप्टे ने तत्काल पुनर्निर्माण के साथ एंडोस्कोपिक मास्टेक्टॉमी को सर्वश्रेष्ठ विकल्प बताया।

वाणगांव आश्रम विद्यालय में अनुश्री फाउंडेशन ने मनाई दीपावली

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी ने अपनी टीम के साथ सोमवार 13 अक्टूबर को वाणगांव आश्रम विद्यालय में पहुंचकर वहां के लगभग 250 बच्चों के साथ दिवाली उत्सव मनाया।इस दौरान बच्चों को मिठाइयाँ बांटी गईं और पटाखे व फूलझड़ी जलाकर उत्साहपूर्वक दीपावली का पर्व मनाया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशियों की चमक देखते ही बनती थी। विद्यालय के प्राचार्य जयवंत तांडेल ने अपने समस्त स्टाफ के साथ अनुश्री फाउंडेशन की इस पहल के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष सुभाष पांडे, संस्था के सचिव विवेक तिवारी, सदस्य ज्ञानमती निषाद व विजय गौड़ सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी ने कहा कि दीवाली खुशियाँ बाँटने का पर्व है, और सच्ची खुशी तभी मिलती है जब हम इन नन्हे चेहरों पर मुस्कान ला सकें। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सवपूर्ण माहौल देखने को मिला और बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ दिवाली उत्सव का आनंद लिया।

दिवाली से पहले बलियानी क्षेत्र में एक करोड़ 60 लाख की निधी से भूमिपूजन

मयूर पाटिल और नमिता पाटिल को मिली सफलता

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र के बल्यानी वार्ड में, पूर्व नगरसेवक मयूर पाटिल और नमिता पाटिल को मिली सफलता के साथ, दिवाली से पहले बलियानी क्षेत्र में 1 करोड़ 60 लाख रुपये के निधि से विकास कार्यों की झड़ी लग गई है।

पूर्व नगरसेवक मयूर पाटिल और नमिता पाटिल,बल्यानी वार्ड के विकास से जुड़ी बुनियादी और बुनियादी ढाँचे संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से लगातार संपर्क में हैं और धन उपलब्ध कराकर समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रशासन से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसी क्रम में, दिवाली की पूर्व संध्या पर, वार्ड में बुनियादी ढाँचे संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से संपर्क करके कुल 1.60 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए। इन विकास कार्यों का उद्घाटन रविवार को पूर्व नगर सेवक मयूर पाटिल और पूर्व नगर सेविका नमिता पाटिल ने किया। इनमें बाल्यानी उम्भरनी बौद्धवाड़ा में आंतरिक सीवर और फुटपाथ का निर्माण, बल्यानी आदिवासी पाड़ा में आरसीसी रोड और सीवर और फुटपाथ का निर्माण, बल्यानी में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक पर सीवर और फुटपाथ का निर्माण शामिल है।

इस अवसर पर मयूर पाटिल ने कहा कि एक ग्रामीण अविकसित वार्ड को बदलने के लिए प्रशासन से बार-बार संपर्क करना पड़ता है। इसी के तहत बाल्यानी के नागरिकों को दिवाली का तोहफा दिया गया है। बाल्यानी आदिवासी पाड़ा में सड़क और सीवर के काम, बौद्धवाड़ा और मुस्लिम बस्ती के निर्माण आदि के लिए 1 करोड़ 60 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की गई है। इसके लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के आशीर्वाद और पूर्व नगरसेविका नमिता पाटिल, विधायक विश्वनाथ भोईर के संपर्क से निधि उपलब्ध कराई गई है। हम समाज के सभी वर्गों की सुविधा के लिए काम कर रहे हैं और प्रशासन से निधि लाना हमारा कर्तव्य है।

इस विकास कार्य के उद्घाटन के अवसर पर पूर्व नगरसेवक मयूर पाटील, पूर्व नगरसेविका नमिता पाटील, उद्यमी राजू पाटील, कृष्णा दलवी, अराफात गुजर, महेश पाटील, अनंत पाटील, एकनाथ पवार, हेमंत गायकवाड, संदीप गायकवाड, शिवाजी गोंधले, सूरज पावशे सहित स्थानीय नागरिक, महिला अघाड़ी, युवा सैनिक, शिवसैनिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मराठवाड़ा बाढ़ पीड़ितों के लिए विक्रोली के निवासियों ने मदद का हाथ बढ़ाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हाल ही में हुई भारी वर्षा के कारण मराठवाड़ा क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे किसानों और ग्रामीण नागरिकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। इस पृष्ठभूमि में विक्रोली के सामाजिक कार्यकताओं ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए पहल करते हुए देवगांव, साकत और कुंभेफळ (ता. परांडा, जि. धाराशिव) गांवों में अनाज वितरण, शालेय सामग्री वितरण, कपड़े, स्वास्थ्य जांच और औषधि उपचार शिविर आयोजित किया।

इस सेवा कार्य में स्थानीय नागरिकों के साथ विक्रोली के स्वयंसेवकों ने दिल से भाग लिया। शिविर के माध्यम से अनेक लोगों को तात्कालिक चिकित्सकीय सहायता मिली और जरूरतमंदों तक अनाज व आवश्यक सामग्री पहुँचाई गई। इस अभियान के सफल आयोजन के पीछे शंकर (नाना) धमाले और पूजा दळवी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने धाराशिव ज़िले के स्थानीय पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर, बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों का अध्ययन किया और सहायता

सही स्थानों तक पहुँचाने की योजना बनाई। सभी स्वयंसेवकों को एकजुट कर विक्रोलीकरों की ओर से सेवा करने का अवसर देने के लिए उपस्थित सभी ने उनका आभार व्यक्त किया। इस कार्य में डॉ. योगेश सुरेश भालेराव, हेमंत पाबळकर, दिनेश साहेब, अमित कांबळे, प्रभाकर षण्मुगम, राजन कोळी, समाधान जाधव, तथा प्रशांत नाईक की सक्रिय भूमिका रही। इस सामाजिक उपक्रम के माध्यम से विक्रोली के नागरिकों ने एक बार फिर अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए एक हाथ मदद का भावना के साथ बाढ़ पीड़ितों को राहत प्रदान की।

बोईसर में स्कूल के सामने फैले कचरे पर मनसे सक्रिय, ग्रामपंचायत से तुरंत सफाई कराने की मांग

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के पदाधिकारियों ने बोईसर पूर्व के दांडीपाड़ा क्षेत्र में बढ़ते कचरे के ढेर और स्वच्छता की बिगड़ती स्थिति को लेकर मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025 को बोईसर ग्रामपंचायत कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान मनसे पालघर उपतालुका अध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बोईसर ग्रामपंचायत के सरपंच दिलीप धोड़ी से मुलाकात कर स्टार किड्स और मुंबई पब्लिक स्कूल के सामने सड़कों पर फैल रहे कचरे की तात्कालिक सफाई करने की मांग रखी। साथ ही क्षेत्र में स्थित कचरा कुंडी को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की भी मांग की गई,

ताकि नागरिकों को दुर्गंध और प्रदूषण से राहत मिल सके। बोईसर सरपंच दिलीप धोड़ी ने मनसे की पहल को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय कर्मचारियों को तुरंत सफाई अभियान शुरू करने और कचरा कुंडी स्थानांतरित करने के निर्देश दिये। इस मौके पर महाराष्ट्र सैनिक तन्मय संखे, मनसे उपविभाग अध्यक्ष वसंत रमेश तरसे, स्थानीय नागरिक सुरेश धोड़ी सहित अनेक महिलाएं व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मनसे पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि ग्रामपंचायत प्रशासन भविष्य में भी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई करेगा और बोईसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठायेगा।

केसीएन क्लब की खेलकूद शाखा एक्शन स्कॉर्ड द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटिजन्स नीड क्लब (केसीएन क्लब) की खेलकूद शाखा एक्शन स्कॉर्ड (एक्शन स्क्वाड) द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रविवार, 12 अक्टूबर 2025 को बोईसर (पूर्व) स्थित टीपीएस ग्राउंड, यादवनगर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला शाखा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीता श्रीधर राऊत द्वारा नारियल तोड़कर तथा कोंकड मंडल उपाध्यक्ष यजुवेंद्र सावे द्वारा पूजन-अर्चन एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला शाखा) नीता श्रीधर राऊत, महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया प्रभारी देवेंद्र शिवचरण मेश्राम, कोंकड मंडल उपाध्यक्ष यजुवेंद्र सावे, खेलकूद शाखा अध्यक्ष विजय साधुराम मौर्या, क्रिकेट टीम मैनेजर इम्तियाज खान, चिकित्सक डॉ. सत्येंद्र यादव तथा युवा मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी चंदन झा सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में टीम ए राकेश इलेवन और टीम बी पिंकू वारियर्स के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर पिंकू वारियर्स ने पहले फील्डिंग का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राकेश इलेवन ने 12 ओवर में 102 रन बनाए और 103 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में पिंकू वारियर्स टीम 11वें ओवर में ही ऑल आउट हो गई। मैच के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिसमें मैन ऑफ द मैच श्रेयस यादव (5 विकेट और 19 रन), बेस्ट बैट्समैन संगम सिंह (45 रन), बेस्ट बॉलर राकेश शर्मा (4 विकेट), बेस्ट परफॉर्मेंस राहुल यादव (28 रन) और शुभम यादव (3 विकेट) चुना गया। मैच के बाद पिंकू वारियर्स के कप्तान पिंकू झा ने अपनी टीम को धन्यवाद देते हुए हार को भाग्य का खेल बताया, वहीं राकेश इलेवन के कप्तान राकेश शर्मा ने जीत का श्रेय टीम की मेहनत और सकारात्मक सोच को दिया। महिला शाखा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीता श्रीधर राऊत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अनुशासन और एकता का प्रतीक है। क्लब भविष्य में भी खेलकूद को बढ़ावा देता रहेगा और निकट भविष्य में एक भव्य प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। समापन अवसर पर टीम मैनेजर इम्तियाज खान और आयोजक चंदन झा ने खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास की सलाह देते हुए आगामी आयोजनों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम का संचालन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ और सभी अतिथियों ने विजेता टीम को शुभकामनाएँ देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट 2025 जारी की

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी व्यापक सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट 2025 जारी की है, जो भारत की विशिष्ट विकास आवश्यकताओं के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण और सतत गतिशीलता के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

टोयोटा की सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट 2025 कंपनी की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी, सामाजिक योगदान और सुशासन से जुड़ी प्रमुख पहलों पर जोर देती है। टीकेएम निरंतर कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में प्रगति को तेज करने के लिए अग्रसर है - केवल उत्पादों तक सीमित न रहकर, अपने निर्माण परिचालन और संपूर्ण वैल्यू चेन में सतत प्रथाएँ अपनाकर।

भारत में गाड़ियों की बढ़ती संख्या CO2 उत्सर्जन में प्रमुख योगदानकर्ता है। इस चुनौती का समाधान करने के लिए, टीकेएम ने मल्टी-पाथवे इलेक्ट्रिफिकेशन दृष्टिकोण अपनाया है, जिसके तहत अपने xEV पोर्टफोलियो का विस्तार किया जा रहा है, जिसमें स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन, फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वाहन, प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन और वैकल्पिक ईंधन आधारित पावरट्रेन शामिल हैं। ग्रीन टेक्नोलॉजी के स्थानीयकरण के माध्यम से कंपनी स्वच्छ गतिशीलता को भारत के विविध आर्थिक परिदृश्यों में अधिक सुलभ और किफायती बना रही है। इसके साथ ही, इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स-फ्यूल वाहन के विकास पर भी कार्य किया जा रहा है, जो भारत के बायोफ्यूल एकीकरण लक्ष्यों को समर्थन देंगे। भारत की जटिल सप्लाई चेन नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना, जो वाहनों के पूरे जीवनचक्र में कार्बन उत्सर्जन में योगदान देती हैं, को ध्यान में रखते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एक व्यापक ग्रीन सप्लाई चेन रणनीति लागू की है। इसमें आपूर्तिकताओं के लिए कठोर ईएसजी अनुपालन मानक शामिल किए गए हैं। टीकेएम के ईको-डीलरशिप नेटवर्क ग्राहक संपर्क के हर स्तर पर पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं, जबकि ग्रीन लॉजिस्टिक्स संचालन संपूर्ण वैल्यू चेन में परिवहन-संबंधी उत्सर्जन को न्यूनतम करते हैं। भारत के औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र की जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा पर निर्भरता को कम करने की दिशा में, टीकेएम ने अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में 100% नवीकरणीय ग्रिड विद्युत का उपयोग सुनिश्चित किया है। कंपनी का लक्ष्य वर्ष 2035 तक कार्बन-न्यूट्रल विनिर्माण और 2050 तक संपूर्ण वैल्यू चेन में शून्य उड2 उत्सर्जन प्राप्त करना है। टीकेएम ऊर्जा-दक्ष तकनीकों को भी अपना रही है, जिससे प्रति इकाई ऊर्जा खपत में वर्ष-दर-वर्ष निरंतर कमी हो रही है। भारत में घटते भूजल स्तर और बढ़ती औद्योगिक जल मांग के मद्देनजर, टीकेएम ने अपनी 89.3% जल आवश्यकताएँ वर्षा-जल संचयन और जल पुनर्चक्रण प्रणाली के माध्यम से पूरी की हैं। कंपनी का जीरो लिक्विड डिस्चार्ज संयंत्र औद्योगिक जल प्रदूषण को रोकता है। टीकेएम यह सुनिश्चित करती है कि वह उपभोग से अधिक जल का पुनर्भरण करे - इसके लिए वॉटरशेड परियोजनाएँ, वर्षा-जल संचयन और रिचार्ज पिट्स जैसी पहलों पर कार्य हो रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जांच टीम पहुंचते ही फर्जी अस्पताल संचालक फरार, मचा हड़कम

जांच के दौरान भगवान भरोसे चल रहे थे क्लिनिक और नर्सिंग होम

डॉ.इम्तियाज अहमद

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत रेलवे स्टेशन रोड पर कई अस्पतालों-दुर्गावती पॉली क्लीनिक, रियांश नर्सिंग होम एंड पॉली क्लीनिक, सागर हॉस्पिटल में जब स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम पहुंची, तो वहाँ के संचालक और डॉक्टर मौके से फरार हो गए। डॉक्टर नदारद, स्टाफ अप्रशिक्षितः दुर्गावती पॉली क्लीनिक में डॉक्टर मौजूद नहीं थे। दो अप्रशिक्षित स्टाफ मौजूद थे, जो अपनी योग्यता या डिग्री के बारे में जानकारी देने से बचते रहे। टीम ने उनका नाम-पता दर्ज कर उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया। मौके पर जांच टीम दुर्गावती अस्पताल में भर्ती मरीज 9 व रियांश हॉस्पिटल में एक, सागर हॉस्पिटल में एक मरीज पाए गए।

अन्य अस्पतालों की स्थितिः बुद्धाय हॉस्पिटल, बुआ हॉस्पिटल, सनराइज हॉस्पिटल समेत कई अस्पता बिना रजिस्ट्रेशन और बिना प्रशिक्षण के चिकित्सक मरीजों का इलाज करते पाए गए। इन अवैध अस्पतालों की बढ़ती संख्या स्थानीय लोगों में चिंता और चर्चा का विषय बनी हुई है। ये अस्पताल भगवान भरोसे चल रहे हैं। जिससे मरीजों की जान खतरे में बनी है। जौनपुर जिलाधिकारी के आदेश पर केराकत उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार, डॉ.आलोक सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अब देखना यह है कि सिर्फ बाकी रहेगा कि सारी करवाई कागजों पर ही रहती है, या फिर मौखिक रूप से धरातल पर भी दिखाई देगी

प्रयागराज में पेड़ से हुई नोटों की 'बारिश'

बाइक की डिग्गी से 500 की गड्डी ले उड़ा बंदर, पेड़ पर फाड़कर बरसाए पैसे

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई। एक बंदर एक युवक की बाइक की डिग्गी से 500 रुपये के नोटों की गड्डी वाला बैग लेकर पेड़ पर चढ़ गया। उसने नोटों का पैकेट फाड़ दिया और नीचे फेंकना शुरू कर दिया, जिससे सड़क पर 'नोटों की बारिश' होने लगी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना प्रयागराज की सोरांव तहसील के आजाद सभागार के सामने हुई। एक युवक जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए अपनी बाइक वहीं खड़ी करके कुछ दूर गया था। बाइक की डिग्गी में एक प्लास्टिक के बैग में 500 रुपये के नोटों की गड्डी रखी हुई थी। तभी एक बंदर ने बाइक की डिग्गी से बैग निकाल लिया। लोगों ने दौड़ाया, तो वह बैग लेकर पेड़ पर चढ़ गया। लोगों ने बैग वापस पाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बंदर ने उसे फाड़ दिया। प्लास्टिक का पैकेट फाड़कर बंदर ने 500 की नोटों की गड्डी निकाली और उसे नीचे गिराने लगा। तहसील में मौजूद लोग यह देखकर हैरान रह गए और शोर मचाने लगे। बंदर लगातार नोट नीचे फेंक रहा था, जिसे लोगों ने जमीन से बटोरना शुरू कर दिया।

वापस मिले युवक के पैसेः गिरे हुए सारे 500 के नोटों को लोगों ने बटोरकर उस युवक को वापस कर दिया, जो रजिस्ट्री कराने आया था। अपने पैसे वापस मिलने पर युवक ने राहत की सांस ली, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

जिलाधिकारी ने बदलापुर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स (बीएलबीसी) की द्वितीय तिमाही बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा विकास खंड बदलापुर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स (बीएलबीसी) की द्वितीय तिमाही बैठक में आकस्मिक रुप से प्रतिभाग किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समस्त शासकीय योजना की समीक्षा की गई और लक्ष्य प्राप्ति हेतु उचित निर्देश दिए गए। पीएम सूर्यघर योजना, सीएम युवा उद्यमी योजना, सीसी लिंकेज खातों में प्रगति लाने हेतु बैंकों के अधिकारियों के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने लंबित प्रकरण को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिए।

उक्त के क्रम में बदलापुर महोत्सव में बैंकों को सरकार प्रायोजित समस्त योजनाओं मे प्रतिभाग करने के भी निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना इत्यादि बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया तथा लोगो को इससे अच्छादित करने के भी निर्देश दिये गये।

इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली बैंक सखी बिंदु कनौजिया, मंजू चौधरी को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सभी को अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बदलापुर महोत्सव को लेकर क्या तैयारी चल रही है उसकी जानकारी ली और उन्होंने सभी बैंकर्स एनआरएलएम एवं बैंक सखी से वार्ता किया तथा बदलापुर महोत्सव में स्टाल लगाने हेतु निर्देशित किया।

ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की समीक्षा बैठक के दौरान उपजिलाधिकारी बदलापुर अग्रणी जिला प्रबंधक, वित्तीय सलाहकार, आजीविका मिशन के प्रतिनिधि, बैंक जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधकगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

52.85 लाख रुपये गबन के मामले में आजमगढ़ जिला जेल के अधीक्षक निलंबित, चार जेलकर्मी गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिला कारागार में सरकारी खाते से 52.85 लाख रुपये की वित्तीय हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद शासन ने बड़ा कदम उठाया है। जेल अधीक्षक आदित्य कुमार सिंह को जिम्मेदारी में लापरवाही, धन गबन और कार्य में शिथिलता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इसकी पुष्टि अपर महानिरीक्षक जेल धर्मेंद्र सिंह ने की। जांच में खुलासा हुआ कि अधीक्षक के नाम से चल रहे खाते से कैदियों और जेल कर्मियों की मिलीभगत से फर्जी चेक जारी कर रकम निकाली गई।

डीआईजी जेल शैलेंद्र कुमार मैत्रेय ने 11 अक्तूबर को जेल में करीब 8 घंटे तक जांच की और शासन को रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद कार्रवाई की गई। धोखाधड़ी में शामिल चार आरोपी रामजीत यादव, शिवशंकर यादव उर्फ गोरख, वरिष्ठ लेखाधिकारी मुशीर अहमद और चौकीदार अवधेश कुमार पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जांच में सामने आया कि बंदी रामजीत यादव को लेखा कार्यालय में वरिष्ठ सहायक मुशीर अहमद का लेखक बनाया गया था। वहीं से दोनों ने मिलकर जेल अधीक्षक के चेकबुक से फर्जी हस्ताक्षर कर चेक जारी किए और रकम निकाल ली। मुख्य आरोपी रामजीत ने धोखाधड़ी के पैसों से बहन की शादी में 25 लाख खर्च किए और 3.75 लाख की बुलेट खरीदी। लेखाधिकारी मुशीर अहमद ने लगभग 7 लाख रुपये खर्च किए, जबकि चौकीदार अवधेश को 1.5 लाख रुपये मिले। डीआईजी जेल शैलेंद्र कुमार मैत्रेय ने बताया कि आरोपी केनरा बैंक के ब्लैंक चेक गायब कर फर्जी हस्ताक्षर से पैसे निकालते रहे। आरोपी बैंक से बैंक ट्रांजैक्शन करते थे ताकि संदेह न हो। डीआईजी ने कहा कि पूरे प्रकरण की रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है और जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

20 कुंतल अवैध आतिशबाजी जब्त, 14 के लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जनपद के विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों से बिना अनुमति रखी गई लगभग 20 कुंतल अवैध आतिशबाजी बरामद की गई है। इस संबंध में कुल 4 अभियोग दर्ज किए गए हैं।

मुख्य रूप से यह कार्रवाई दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए की गई, ताकि रिहायशी इलाकों में विस्फोटक पदार्थों के अवैध भंडारण से संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। फायर विभाग की टीम द्वारा आतिशबाजी सामग्री रखे जाने के स्थानों का परीक्षण कराया जा रहा है, ताकि सुरक्षा मानकों की पुष्टि की जा सके।

पुलिस ने बताया कि 14 लोगों द्वारा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन किया गया है। उनके लाइसेंस निलंबन के लिए पत्राचार संबंधित विभाग को भेजा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इसके साथ ही फायर ब्रिगेड विभाग द्वारा स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें लोगों को केमिकल फायर से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति सतर्क रहने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और आपात स्थिति में अग्निशमन दल को तुरंत सूचना देने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

किसान के उत्पीड़न के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल किसान यूनियन और सोशलिस्ट किसान सभा ने किसान के पुलिसिया उत्पीड़न के खिलाफ मंडल आयुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। किसानों ने प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के प्रतिनिधि संत रंजन श्रीवास्तव को शिकायत पत्र सौंपा। किसान नेता वीरेंद्र यादव और राजीव यादव ने कहा कि सरायभादी के किसान मुन्नी लाल प्रजापति थानाध्यक्ष तरवा से शिकायत करने गए थे, थानाध्यक्ष ने मुन्नीलाल का प्रार्थना पत्र फेक दिया और उनके साथ अभद्रता करते हुए जबरन सुलहनामा करवा दिया। मुन्नीलाल की जमीन का मामला उपजिलाधिकारी मेंहनगर और दीवानी न्यायलय में लंबित है। माननीय उच्च न्यायलय का आदेश भी मुन्नी लाल के पक्ष में है। इसके बावजूद विरोधियों द्वारा पुलिस की मिली भगत से मुन्नीलाल को अपना खेत नहीं जोतने-बोने दिया जा रहा है। किसान नेता वीरेंद्र यादव, राजीव यादव, मुन्नीलाल प्रजापति, हीरालाल यादव, अधिवक्ता विनोद यादव, अवधेश यादव, नन्दलाल यादव, दरस प्रजापति, महातम मौर्या, सुभाष यादव, छेदी प्रजापति, रामू प्रजापति, रमेश प्रजापति, मुन्ना, पंकज प्रजापति, राजेश प्रजापति आदि शामिल रहे।

खादी और किसान का संगम: तेजस्वी किसान मार्ट और खादीग्राम उद्योग के बीच सहयोग पर बनी सहमति

एफपीओ उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। किसानों के उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और स्वदेशी उद्यमिता को सशक्त करने के उद्देश्य से तेजस्वी किसान मार्ट के प्रतिनिधि मंडल ने खादीग्राम उद्योग के चेयरमैन निर्मलेंदु वर्मा से पटना स्थित खादीग्राम होलसेल मॉल में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व ई. प्रकाश पाण्डेय, संस्थापक तेजस्वी संगठन ट्रस्ट एवं सीईओ, यूनिवर्सल सोनांचल फार्मर एसोसिएशन ने किया। उनके साथ तेजस्वी किसान मार्ट संचालन समिति से रमेश कुमार सिंह, डायमंड कुमार, दिलीप कुमार, और रंजीत चौबे सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान दोनों संस्थानों के बीच एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) द्वारा उत्पादित शुद्ध स्वदेशी कृषि एवं ग्रामीण उत्पादों को खादीग्राम मॉल के व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ने, किसानों के उत्पादों को ब्रांड पहचान देने और देशभर में बाजार विस्तार की दिशा में गहन चर्चा हुई।

चेयरमैन निर्मलेंदु वर्मा ने कहा कि 'खादी और किसान दोनों भारत की आत्मा हैं। जब दोनों एक मंच पर आते हैं, तो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त आर्थिक मॉडल बनता है।' उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी किसान मार्ट स्टोर पर खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, वहीं एफपीओ द्वारा निर्मित सभी शुद्ध स्वदेशी उत्पादों को खादीग्राम मॉल के व्यापारिक नेटवर्क से जोड़कर किसानों और उनके उत्पादों को एक पहचान दिलाई जाएगी।

इस अवसर पर ई. प्रकाश पाण्डेय ने तेजस्वी किसान मार्ट की कार्यप्रणाली, उद्देश्य, और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'यह साझेदारी किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण और 'वोकल फॉर लोकल' के लक्ष्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।' बैठक के अंत में दोनों पक्षों ने ग्रामीण उद्यमिता, उत्पाद ब्रांडिंग, मार्केट लिंकिंग और प्रशिक्षण सहयोग के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया। यह बैठक किसानों, बुनकरों और उद्यमियों के लिए एक साझा मंच तैयार करने की ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। 'खादी की परंपरा और किसान की मेहनत– आत्मनिर्भर भारत का सशक्त आधार।'

नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान, परंपरा के लिए करें प्रेरितः स्वांत रंजन

- गुरु में अग्नि का भाव होना चाहिएः प्रो.ओम प्रकाश पांडे
- पीयू में भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में विश्वविद्यालय एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों–शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और नैतिकता पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री स्वांत रंजन ने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय जी ने अपने विद्यार्थियों को सदैव सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, विद्या, आत्मत्याग और देशभक्ति जैसे गुणों की शिक्षा देने की बात की थी। यह गुण भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा हैं और चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के लिए कार्य करना प्रत्येक नागरिक का धर्म है और नई पीढ़ी को भी इसी भावना से प्रेरित होना चाहिए।

मुख्य वक्ता, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक एवं प्रधानमंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. ओम प्रकाश पांडे ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल उद्देश्य आत्मचेतना को जागृत करना है। उन्होंने महाराणा प्रताप की तलवार और सबरी माला के पंचधातु दर्पण का उल्लेख करते हुए भारतीय कारीगरों की वैज्ञानिक दक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय महिलाएं जब आंगन में तुलसी लगाती थीं, तो वह केवल आस्था का नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक था।

प्रो. पांडे ने कहा कि 'गुरु में अग्नि भाव होना चाहिए। शिक्षा कभी केवल परीक्षण या पुस्तकों का विषय नहीं, बल्कि ज्ञान का विषय होना चाहिए।' उन्होंने कुल परंपरा और गुरुकुल परंपरा को भारतीय शिक्षण प्रणाली की जड़ बताया।

सारस्वत अतिथि, राजीव गाँधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय अमेठी के कुलगुरु प्रो. भृगुनाथ सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा में इंजीनियरिंग एवं तकनीकी योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय परंपरागत विज्ञान को आधुनिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना समय की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. प्रेमलता देवी ने भारतीय ज्ञान परंपरा में महिलाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने की। उन्होंने योग और प्राणायाम को भारतीय ज्ञान परंपरा का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि मंत्रों की शक्ति चेतना और ऊर्जा के स्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन ईश्विका सिंह एवं स्वागत प्रो. मानस पांडे एवं धन्यवाद शानू सिंह ने दिया।

इस अवसर पर प्रान्त प्रचारक रामचंद्र, विभाग प्रचारक आदित्य, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, प्रो.सूर्य प्रकाश सिंह, डॉ.विजय सिंह, डॉ.राहुल सिंह, कुलसचिव केशलाल, परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह, प्रो.मनोज मिश्र, डॉ.विजय तिवारी, डॉ.अनुराग मिश्रा, डॉ.सुनील कुमार, पर्यावरण प्रमुख महेंद्र, डॉ.प्रियंका कुमारी, डॉ.वनिता सिंह, डॉ.अजय दुबे एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के ज्ञानेंद्र, वरुण, शिवम सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर के रोटावेटर से दुर्घटना होने पर बाईक सवार युवक का कटा पैर, हालत गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के रामपुर थाना क्षेत्र के अकरा गांव में अकरा तिराहे के पास बाइक सवार विपरीत दिशा से आ रही। ट्रैक्टर से टकरा जाने से उसका दाहिना पैर कटकर गंभीर घायल हो गया। मौका देखकर ट्रैक्टर सवार ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ट्रैक्टर चालक को न पाकर हाथ मलती रह गई। फिलहाल पुलिस घटना की जानकारी लेने के बाद ट्रैक्टर एवं चालक की तलाश में जुटी हुई है।

बताया जाता है कि रसूलहां गांव निवासी प्रीतेश पटेल पुत्र लालमन पटेल 30 वर्ष स्प्लेंडर बाइक से भदोही मड़ियाहूं हाईवे पर मड़ियाहूं की तरफ बांयी लेन से किसी कार्यवश जा रहा था। इसी लेने पर उलटी दिशा में एक ट्रैक्टर रोटावेटर लगाकर तेज रफ्तार से रामपुर की तरफ जा रही थी बाइक सवार युवक समझ नहीं पाया और ट्रैक्टर की बाई तरफ से निकलने का प्रयास किया इसी दौरान बताया जाता है कि ट्रैक्टर चालक ने झोल मार दिया जिसके कारण रोटावेटर में युवक का पैर फंस गया और उसका दाहिना पैर कटकर गंभीर घायल हो गया। बताते हैं कि ट्रैक्टर चालक क्षेत्रीय था जिसका लाभलेते हुए वह मौके से फरार हो गया। युवक सड़क पर ही आधे घंटे तक तड़पता रहा लेकिन एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। सूचना पाकर परिवारीजन घटनास्थल पर पहुंचे और युवक को उठाकर अस्पताल लेकर गए। उसके बाद पहुंची पुलिस ने स्प्लेंडर बाइक को कब्जे में लेते हुए ट्रैक्टर एवं ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दिया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने संचारी दस्तक अभियान का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने ब्लॉक सिरकोनी के अंतर्गत ग्राम सुल्तानपुर में दस्तक, संचारी रोग नियंत्रण अभियान संबंधित गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, बीसीपीएम सचेंद्र चौहान, संगिनी मीना यादव, एएनएम विनीता देवी, आशा गुंजन देवी उपस्थित रहकर अपनी अपनी गतिविधियां संपादित करते हुए मिले। मुख्य चिकित्साधिकारी ने जनसमुदाय से सीधे संवाद कर दस्तक, संचारी अभियान संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी लीं और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दीं। उन्होंने आशा, संगिनी और बीसीपीएम को निर्देशित किया कि दस्तक अभियान संबंधित गतियों को शत-प्रतिशत संपादित करें, कोई भी घर न छुटे, फीवर सर्वे, संभावित मरीजों की तत्काल जांच कराएं, लोगों को हाथ धोने, मच्छरदानी का प्रयोग करने, जल जमाव न होने देने,

जलपात्रों को खाली करते रहने, साफ-सफाई रखने आदि के प्रति जागरूक करें। हर स्तर से कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करें।

जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत अब तक शिक्षा विभाग द्वारा 1483 रैलियां निकाली जा चुकी हैं, पंचायती राज विभाग द्वारा 691 स्थानों पर नालियों की सफाई, 690 स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, 388 हैंडपंप का मरम्मत, 363 शौचालयों का निर्माण, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों द्वारा 5383 नालियों की सफाई, 252 स्थानों पर फागिंग कराई गई, पशुपालन विभाग द्वारा 150 शूकर पालकों को शूकर जनित बीमारियों, शूकर बाड़ों की सफाई, कीटनाशी का उपयोग के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें अन्य व्यवसाय अपनाने के प्रति प्रेरित किया गया। कृषि विभाग द्वारा 281 बैठकों के माध्यम से किसानों को चूहे छछूंदर से होने वो बीमारियों से बचाव के बारे में जागरूक किया गया। आशा द्वारा घर 78879 घरों का सर्वे किया गया जिसमें 146 बुखार वाले व्यक्ति, 106 जुखाम खांसी वाले, 3 टी बी लक्षण वाले, 8 अति कुपोषित बच्चे मिले जिनकी जांच उपचार कराया जा रहा है। आशा द्वारा घर घर भ्रमण के दौरान क्लोरिनेशन डेमो, हाथ धोने की प्रक्रिया का प्रदर्शन, मातृ बैठकों, स्टीकर एवं पोस्टर पेस्टिंग, संचारी हैंडबिल का वितरण, ब्रीडिंग सोर्स रिडक्शन आदि कार्य भी कराया जा रहा है।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जनपद में अब तक डेंगू के 65 मरीज, मलेरिया के 8 मरीज रिपोर्ट हुए हैं। उन्होंने संचारी रोगों से बचाव हेतु जनसमुदाय से अपील की है कि आप सब अपने अपने घरों के आस पास साफ सफाई रखें, जल जमाव न होने दें, बेकार, खाली पड़े जलपात्रों को नष्ट कर दें, नालियों में कूड़ा कचरा न डालें, रुके हुए पानी में जला हुआ मोबिल ऑयल डालें, खुले बदन न सोएं, मच्छरदानी का प्रयोग करें, कुछ भी खाने पीने से पहले, शौच के बाद साबुन से हाथ जरूर धोएं, खुले में शौच न करें, घर पर शौचालय बनवाकर उसका उपयोग करें। बुखार की स्थिति में लापरवाही न करें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच उपचार कराएं, झोलाछाप से इलाज न कराएं। हम सबने यह ठाना है, संचारी रोग मिटाना है। अगर मिले आपका सहयोग, खत्म होगें संचारी रोग।

सभी स्नातक अपना वोट जरूर बनवा लें: कमलेश यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी कमलेश यादव ने स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव के मद्दे नजर स्नातक वोटरों को जागरुक करने के लिए कई गाँवो में घूमकर लोगों को बताया कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जहाँ चुनावी प्रक्रिया देश की दिशा और दशा को तय करती है, वहाँ हर एक नागरिक का मतदान करना बेहद जरूरी है। लेकिन यह तभी सम्भव होगा जब लोग चुनाव प्रक्रिया के प्रति जागरुक होगे और अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझेंगे। श्री कमलेश यादव ने सभी स्नातक किये लोगों से अपील किया कि सभी अपना अपना वोट जरूर बनवा लें इसके सरकार ने ऑनलाइन और ऑफ लाइन पंजीकरण की सुविधाएँ दी हुई है। आज हम सब डिजिटल युग में जी रहे हैं इसीलिए वोटर जागरूकता के लिए सोशल मीडिया का भी प्रयोग करके लोगों को जगाना चाहिये।

कमलेश यादव ने आगे कहा कि वोट एक महत्वपूर्ण अधिकार है जो न केवल एक व्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने का भी एक साधन है। चुनावी प्रक्रिया में जनता की भागीदारी जितनी अधिक होगी, उतनी ही मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली होगी। इस मौके पर अखिलेंद्र, अनिल दीप चौधरी, प्रेम प्रकाश यादव, राकेश कुमार, धर्मेन्द्र, संजय कुमार, विजय बागी, सूर्य प्रकाश, साहब लाल सिंह, अनिल कुमार, ओम प्रकाश, शिवाँस आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

कंस वध के होते ही जयकारों से गूंज उठा पंडाल

रमेश प्रजापति

भानपुर (जौनपुर)। क्षेत्र के चैसार गाँव में राजमणि प्रजापति के यहाँ चल रही संगीतमयी श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के सातवें दिन सोमवार को कथा वाचक पंडित कृष्णचंद पाठक ने कंस वध की लीला का वर्णन किया। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध की कथा का प्रसंग आया, पूरा पंडाल ह्जय श्रीकृष्णह्व और ह्हरि बोलह्व के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान राधे-कृष्ण की आकर्षक झांकी भी निकाली गई, जिस पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की।कार्यक्रम में आयुष कुमार पाठक, संतोष प्रजापति, रामकीरत चौधरी, विंदेश्वरी सिंह, आवेश तिवारी, रामप्रकाश निषाद, प्रदीप चौरसिया, रामसुलभ विश्वकर्मा, राजेंद्र गौड़, अभय कन्नौजिया, मनीराम गौतम, रहमान आदि सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वसई में आयोजित ऊर्जा संतुलन कार्यशाला में विधायक स्नेहा दुबे की सहभागिता

वसई। पीएसएसएम मुंबई टीम द्वारा वसई पश्चिम स्थित स्वामीनारायण हॉल में एक प्रेरक चक्र उपचार और ऊर्जा संतुलन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम की शुरूआत वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में की गई। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आमजन को माइंडफुलनेस, उपचार और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ना था। इस अवसर पर प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. ऋतु जैन ने चक्र उपचार, ऊर्जा संतुलन और मानसिक शांति प्राप्त करने के उपायों पर गहन जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आत्म-चिकित्सा और ध्यान के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजू इसाई, छोटू आनंद, साधना धुरी, मनोज शर्मा, लालजी कनौजिया, मिक्की आनंद, रीता इस्सर और कल्पेश चौहान की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन छोटू आनंद ने किया, जिन्होंने अपने मार्गदर्शन से सभी को कार्यक्रम से जोड़कर रखा। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए एक ज्ञानवर्धक, अनुभवात्मक और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर सत्र सिद्ध हुई, जो मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-प्रेरणा के क्षेत्र में एक प्रेरणा स्रोत बनेगा।

भाजपा अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल ने किया जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

नालासोपारा। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार की जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल के करकमलों से श्रीमती रूपाली चोरघे ताई (महामंत्री - नालासोपारा पश्चिम) के नवीन जनसंपर्क कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला महामंत्री मनोज बारोट, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र पाटिल, युवा मोर्चा अध्यक्ष विनीत तिवारी, मंडल अध्यक्ष सतीश सिंह, सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। स्थानीय नागरिकों, भाजपा कार्यकताओं और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाया। सभी ने मिलकर कार्यालय उद्घाटन का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर श्रीमती रूपाली चोरघे ताई ने जनता की सेवा को और अधिक संगठित व सशक्त तरीके से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों, नागरिकों एवं कार्यकताओं का हार्दिक आभार प्रकट किया गया।

भास्कर शेट्टी को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

मुंबई। मुंबई के प्रतिष्ठित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास, प्रभादेवी और धारावी विधानसभा विभाग प्रमुख भास्कर शेट्टी को उनके जन्मदिन के अवसर पर शिवसेना पार्टी जनसंपर्क कार्यालय, धारावी की ओर से भव्य शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर भास्कर शेट्टी को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभेच्छा दी गई। कार्यक्रम में कई प्रमुख समाजसेवक एवं संगठन उपस्थित रहे। परिवर्तन संगठन, भामला फाउंडेशन महाराष्ट्र व मुंबई, समेत कई सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुख्य अतिथियों में सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), श्रद्धा गोरगे ज्योतिष सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शेट्टी जी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर भास्कर शेट्टी ने सभी आगंतुकों का अल्पाहार (नाश्ते) के साथ स्वागत किया और सभी शुभेच्छुओं को दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाबा गायकवाड को जन्मदिन पर शॉल व पुष्पगुच्छ देकर दी गई शुभकामनाएँ

मुंबई। रिपब्लिकन सेना मुंबई के युवा अध्यक्ष एवं गोल्डमैन के नाम से प्रसिद्ध बाबा गायकवाड जी का जन्मदिन दादर (पूर्व), मुंबई स्थित पार्टी कार्यालय में बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

इस खास मौके पर कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें समाजसेवक, समाजसेविका, परिवर्तन संगठन, भामला फाउंडेशन महाराष्ट्र और मुंबई से जुड़े प्रतिनिधि शामिल थे। सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), श्रद्धा गोरगे (ज्योतिष) सहित अन्य समाजसेवियों ने भी बाबा गायकवाड को जन्मदिन की बधाई दी। समारोह के उपरांत बाबा गायकवाड ने सभी मेहमानों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की और सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का वातावरण सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

घाटकोपर में श्री नारायण भक्ति सत्संग में दिव्य वचनों से गुंजा परिसर

मुंबई। घाटकोपर (पश्चिम) स्थित पाटीदार वाडी में आयोजित दो दिवसीय श्री नारायण भक्ति सत्संग एवं महाप्रसाद का शुभारंभ श्री नारायण भक्ति पंथ के प्रवर्तक परमपूज्य स्वामी श्री लोकेशानंद महाराज जी के दिव्य वचनों के साथ हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति से संपूर्ण वातावरण भक्ति रस में सराबोर हो गया। आरती, भजन और सत्संग के मधुर स्वर में भक्तगण मंत्रमुग्ध हो उठे। इस आयोजन के प्रमुख संयोजक आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली और हितेश विजय शेट्टी रहे, जिन्होंने अपनी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ भक्ति महोत्सव का आयोजन किया। स्वामी श्री लोकेशानंद महाराज जी ने अपने प्रवचन में कहा कि ह्श्री नारायण भक्ति पंथ का मूल आधार प्रेम, सेवा और सत्य है। जब मनुष्य अपने जीवन में ईश्वर के प्रति भक्ति और मानवता के प्रति सेवा भाव रखता है, तभी जीवन धन्य बनता है।ह्व उन्होंने बताया कि नारायण तत्व का अर्थ केवल पूजा या उपासना तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जीवन के हर क्षण में ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करना है। लोकेशानंद महाराज जी ने भक्तों को यह संदेश दिया कि भक्ति केवल मंदिरों तक सीमित नहीं, बल्कि हर कार्य, हर संबंध में ईश्वर भाव लाना ही सच्ची साधना है। कार्यक्रम स्थल पर दीप प्रज्वलन और मंत्रोच्चार के बीच वातावरण दिव्यता से ओत-प्रोत हो उठा। भक्ति गीतों और कीर्तन ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में भूतपूर्व सांसद पूनम ताई महाजन, पूर्व मंत्री मोहम्मद आरिफ (नसीम) खान, पूर्व नगरसेवक भालचंद्र शिरसाट, गणपत कोठारी, मनसे नेता दशरथ शिर्के, विजय शेट्टी, पोलीस अधिकारी बलवंत देशमुख, संदीप शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार आदित्य दुबे, राजेश विक्रांत, अभय मिश्रा, श्रीश उपाध्याय, प्राची अग्रवाल, हार्दिक खत्री, नितीन अग्रवाल, मनीष शर्मा, युवराज अग्रवाल, डॉ. दीप नारायण शुक्ला, प्रभाकर शुक्ला, आशीष तिवारी,पत्रकार आदेश मिश्रा, रवी पूंज और वकील यादव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने स्वामी श्री लोकेशानंद महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और समाज में आध्यात्मिकता के प्रसार के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम के अंत में सामूहिक महाआरती और महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने भाग लेकर भक्ति और प्रसाद का लाभ प्राप्त किया।

महाराजगंज विधानसभा से दो प्रत्याशियों ने किया नामांकन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल कार्यालय में 111-गोरियाकोठी और 112-महाराजगंज विधानसभा का नामांकन अलग-अलग कक्षा में दिया जा रहा है। गोरियाकोठी विधानसभा का आरओ डीसीएलआर अमन कुमार व महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के आरओ एसडीएम अनीता सिन्हा बनाई गई है। मंगलवार के दिन महाराजगंज विधानसभा से दो प्रत्याशियों ने नामांकन का पर्चा भरा। एनडीए के प्रत्याशी के रूप में जदयू के हेमनारायण शाह ने एसडीओ के समक्ष नामांकन किया। वही दूसरा निर्दल प्रत्याशी रबिंद्र कुमार ने महाराजगंज विधानसभा से ही अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं गोरेयाकोठी विधान सभा के लिए 14 अक्टूबर को एक भी परचा दाखिल नहीं किया गया। देखा जय तो महाराजगंज अनुमंडल में नामांकन के शेष 3 दिन बचे हैं अभ्यर्थियों को नामांकन करने का सिलसिला बहुत धीरे चल रहा है।

वसई-विरार में 15 नवंबर से शुरू होंगे मीटर रिक्शा! विधायक स्नेहा दुबे पंडित के प्रयासों को मिली सफलता

वसई-विरार। वसई-विरार के नागरिकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। बढ़ती जनसंख्या, सीमित सार्वजनिक परिवहन और मनमाने रिक्शा किरायों से जूझ रहे शहरवासियों को अब मीटर रिक्शा की सुविधा मिलने जा रही है। यह निर्णय आज परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई अहम बैठक में लिया गया। बैठक में वसई-विरार की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, वीवीएमसीआयुक्त, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और पुलिस उपायुक्त सहित कई प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान मीटर रिक्शा की शुरूआत, ट्रैफिक जाम की समस्या और पार्किंग की कमी पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने बताया कि, वसई-विरार की जनता लंबे समय से शेयर रिक्शा की मनमानी से परेशान है। महिलाएं, बुजुर्ग और छात्र सीमित रूट और किराया अनियमितता के कारण रोजाना मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मीटर रिक्शा व्यवस्था से यह परेशानी काफी हद तक दूर होगी। परिवहन मंत्री ने मीटर रिक्शा की सुविधा 15 नवंबर 2025 से शुरू करने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही एसटी महामंडल की जमीन पर पीपीपी मॉडल के तहत पार्किंग सुविधा और अन्य नागरिक सहूलियतों के लिए दिसंबर 2025 तक प्रस्ताव पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस निर्णय को आम नागरिकों की जीत बताते हुए कहा, यह सिर्फ एक परिवहन सुधार नहीं, बल्कि वसई-विरार के लोगों के लिए एक आवश्यक बदलाव है।

मेरी कोशिश है कि हर नागरिक को सुरक्षित, सुलभ और सस्ता परिवहन मिले। इस फैसले के लागू होने के बाद उम्मीद की जा रही है कि वसई-विरार में ट्रैफिक की समस्या में कमी आएगी, और नागरिकों को एक पारदर्शी व नियमित ऑटो सेवा मिलेगी।

वसई पश्चिम में स्नेहा दुबे पंडित द्वारा तीन विकास कार्यों का शिलान्यास

वसई। वसई पश्चिम के मर्सेस क्षेत्र में वसई विधानसभा क्षेत्र की वार्ड समिति 'क' के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा किया गया। इन परियोजनाओं में प्रमुख रूप से वार्ड क्रमांक 108 में जीवनवाड़ी क्रॉस से अशोक कोलासो के घर तक सड़क का डामरीकरण, सावरशेतवाड़ी में हेवन्स पीस बंगले से स्टीवन कोलासो के घर तक सड़क का डामरीकरण, सावरशेतवाड़ी में छत पर फ्ठउ स्लैब का बिछाव शामिल है। विकास कार्यों से क्षेत्रवासियों को सुगम, सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन की सुविधा मिलेगी, साथ ही यह कार्य वसई के समग्र विकास को गति देंगे। कार्यक्रम के दौरान वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व स्थानीय नेताओं की उपस्थिति रही। इनमें जेरी मचाडो, जेम्स गोंसाल्वेस, मार्विन मचाडो, रॉबी कोलासो, ओनिल डेकुन्हा, रुडोल्फ कोलासो, साधना कोलासो, एरिना परेरा, मैनुअल मचाडो, सुनीता कोलासो, संजय कोलासो, रोजर कोलासो, वरिष्ठ भाजपा नेता शाम भाऊ पाटकर, जिला सचिव नंदकुमार महाजन, वसई नगर परिषद के महासचिव चेतन वार्शिकर, तथा किरण पाटिल, अमित पवार, अनिल राउत, मयंक शेठ, प्रतीक चौधरी, अशोक मिश्रा समेत कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पत्रकार उपस्थित थे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि ₹यह सभी कार्य वसई के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक और मजबूत कदम हैं। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचे। स्थानीय नागरिकों ने भी इन कार्यों के शुभारंभ पर हर्ष व्यक्त किया और विधायक महोदया का आभार जताया।

आयुर्वेद चिकित्सा व थैरेपी से रोगियों को मिला राहत का संबल, शहरी सेवा शिविर में आयुर्वेद विभाग की सेवा बरकरार

उदयपुरवाटी। शहरी सेवा शिविर के अंतर्गत कस्बे की जमात स्थित महात्मा गांधी स्कूल परिसर में आयुर्वेद विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.राजेन्द्र कुमावत के नेतृत्व में रोगियों को विभिन्न आयुर्वेदिक विधियों से उपचार कर स्वास्थ्य लाभ दिया गया। डॉ.कुमावत ने बताया कि शिविर में सोमवार को 42 रोगियों का औषधीय उपचार किया गया, और 15 लोगों को आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में आए 30 जनों ने बड़े चाव से आयुर्वेदिक काढ़ा भी पिया।इस दौरान पंचकर्म चिकित्सा पद्धति के तहत स्नेहन,अभ्यंग और कपिंग (अलाबू) थेरेपी द्वारा मरीजों को विशेष राहत प्रदान की गई। कंपाउंडर दीपक शर्मा द्वारा लगभग दो दर्जन रोगियों को मर्म थैरेपी,फायर कपिंग व वेट कपिंग चिकित्सा दी गई,जिससे उन्हें घुटनों,कमर दर्द,माइग्रेन और सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस सरीखे वेदना से राहत मिली। डॉ. कुमावत ने जानकारी दी कि यह शिविर 15 तारीख तक जमात स्कूल में संचालित रहेगा।आमजन से आग्रह किया गया है कि वे इस शिविर का अधिकतम लाभ उठाएं और आयुर्वेद की सुरक्षित एवं प्रभावी चिकित्सा प्रणाली से अपना उपचार करवाए।

नामांकन के बाद भाजपा जेडीयू ने दिखाई एकता

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल में 112-महाराजगंज विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर ऊहा- पोह की स्थिति के बीच 14 अक्टूबर को जदयू के प्रत्याशी हेमनारायण साह ने 11 बजे पूर्वाह्न अपना नामांकन महाराजगंज एसडीओ के समक्ष पर्चा दाखिल कर दिया। इसके बाद सहर के आरवीजीआर कॉलेज में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें महाराजगंज के भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, पीजेपी सीवान जिला पूर्वी के अध्यक्ष रंजीत गुप्ता के अलावा गठबंधन के दर्जनों वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल थे। सभा की अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अयूब अंसारी ने की। अपने संबोधन में महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा एनडीए गठबंधन के एकजुटता में कोई शक सुबहा नहीं है। किसी सोशल मीडिया के भ्रामक खबरों में आने की जरूरत नहीं है। वही बीजेपी के वरिष्ठ नेता महाचंद्र प्रसाद सिंह ने कहा हेमनारायण साह एनडीए गठबंधन के समर्थित प्रत्याशी हैं। बिहार में एनडीए मजबूत गठबंधन हैं। हम सभी एकजुट होकर हेमनारायण साह को मदद करें। चुनावी सभा में भाजपा पूर्वी के जिला अध्यक्ष रंजीत गुप्ता, भाजपा नेत्री सुप्रिया जयसवाल, भाजपा के जिला मंत्री अवधेश पांडे,महाराजगंज नगर पंचायत के अध्यक्ष अमरजीत सिंह, भाजपा नेता सह पूर्वी के प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह आदि लोग मौजूद थे।

जय श्री राम सेवा संघ द्वारा अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ एवं भंडारा संपन्न

टिटवाला, कल्याण। टिटवाला पूर्व स्थित ए.टी. नगर में जय श्री राम सेवा संघ द्वारा शनिवार को अखंड श्री रामचरितमानस पाठ एवं रविवार को पूर्णाहुति के पश्चात हवन,आरती और भंडारे ₹महाप्रसाद₹ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पारसनाथ तिवारी,प्रमोद पांडेय,राजेश तिवारी, दुर्गाप्रसाद शुक्ला,राहुल दुबे,दुवार्सा निश्रा, मनोज दुबे, लल्लू उपाध्याय डॉ सिंह, बाबा सिंह, धनंजय मिश्रा, आलोक पांडेय,संदीप दुबे संजय दुबे,बब्बू पांडेय, सच्चिदानंद पांडेय,प्रदीप तिवारी,प्रमोद शास्त्री, गुड्डू सेठ सहित मुंबई, ठाणे, रायगढ़,पनवेल एवं पालघर से उपस्थित अनेक मानस प्रेमियों का संस्था अध्यक्ष अजित तिवारी के द्वारा शाल श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर भारतीय नेता अजय सर्वजीत मिश्रा ने सभी मानस प्रेमी आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन अनिल सेठ दलवी के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की सफलता में संस्था के सभी सदस्यों ने समर्पित भाव से योगदान दिया। मुख्य रूप से सतीश पांडेय, मुकेश तिवारी, संजय दुबे, विकास तिवारी, सूरज मौर्य, राजेश अग्रहरि, विजय ओझा, बृजेश , कन्हैया, मनोज,रमेश विश्वकर्मा,सचिन, मोनू, बबलू, प्रदीप ,निर्भय मिश्रा, अनिल शुक्ला,अमित मिश्रा, रवि सिंह आदि मानस प्रेमी सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्रेष्ठ का क्रोध भी कल्याणकारी होता है : राजन महाराज

लाल शेखर सिंह

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य राजन महाराज के व्यासत्व में परानूपुर, कुंडा श्रृंगवेरपुर, प्रतापगढ़ में 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक प्रति दिन अपराह्न 3 से साँय 7बजे तक आनंद पांडे के संकल्प और लोकप्रिय विधायक कुँवर रघुराज प्रताप सिंह(राजा भैया)के संरक्षण में चल रही दिव्य श्रीरामकथा में पूज्य राजन महाराज ने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से यज्ञ रक्षा प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि जीवन में वह व्यक्ति सबसे बड़ा सौभाग्यशाली है जिसके बारे में कोई सोचने वाला होता है।श्रेष्ठ की उपस्थिति में कोई भी निर्णय लेने से बचना चाहिए।

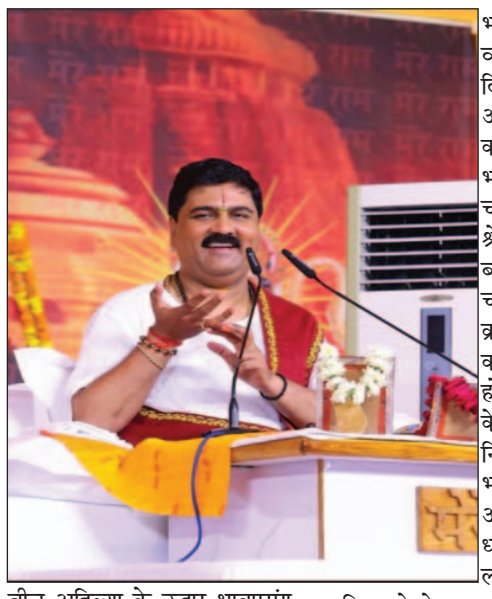

गुरु विश्वामित्र के साथ रामलक्ष्मण धनुषयज्ञ देखने के लिए मिथिला प्रस्थान करते हैं।यात्रा के बीच अहिल्या के उद्धार भावप्रसंग को श्रोताओं के बीच प्रकाशित करते हुए राजन महाराज ने कहा कि,हमारे भाव का प्रभाव व्यवहार में दिखाई देता है। अतः प्रत्येक कार्य प्रसन्न भाव से करना चाहिए।अपने श्रेष्ठ को सदैव बड़ाई देना चाहिए।श्रेष्ठ का क्रोध भी कल्याणकारी होता है।भगवान के चरणों से निकली गंगा को भगवान शिव ने अपने सिर पर धारण कर लिया लेकिन अहिल्या ने तो भगवान के चरणों को ही अपने सिर पर धारण करने का सौभाग्य पाकर उनसे भी आगे निकल गयीं। राजन महाराज ने कहा बच्चों के जीवन को आकार देने के लिए माता पिता की मार डाँट भी आवश्यक है और यह सौभाग्य भी केवल भारत के ही बच्चों को प्राप्त है। पूज्य राजन महाराज की रामकथा मिथिला में प्रवेश करती हैं राजन महाराज ने मिथिलागान करते हुए कहा रामजी को प्रगट होने के लिए माता कौशल्या की कोख मिली तो माता सीता का प्राकट्य मिथिला की भूमि से हुआ अतः मिथिला सर्वकाल वंदनीय है।इस प्रकार नगर दर्शन, पुष्पवाटिका प्रसंग के बाद धनुष भंग और जयमाल प्रसंग को पूर्ण करके कथा विश्राम ली। इस प्रकार मानस महाकुम्भ में उमड़े श्रद्धालुओं के साथ वृंदावन के संत रसराज महाराज भी संत समाज के साथ इस मानस महाकुंभ में अवगाहन का लाभ प्राप्त किया।

संघ शताब्दी वर्ष पर रामगंज में राष्ट्र भावना के साथ शस्त्र पूजन

प्रतापगढ़ ।जनपद के नगर पंचायत रामगंज स्थित पार्क परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में शस्त्र पूजन कार्यक्रम राकेश कुमार सिंह चेयरमैन रामगंज की अध्यक्षता में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामगंज चौकी इंचार्ज गिरजा शंकर यादव पुलिस बल के साथ पद संचलन मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था में सक्रिय नजर आए। शताब्दी वर्ष के इस अवसर पर भव्य पद संचलन भी निकाला गया, जो नगर पंचायत रामगंज कार्यलय के सामने स्थित पार्क से शुरू होकर रामगंज बाजार की गलियों,से होते हुए पुनः पार्क परिसर पर सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में विभाग कार्यवाह हरीश जी, खंड संघ चालक जनार्दन जी , खंड कार्यवाह पुनीत जी , रामउजागिर सिंहजी, व्यवस्था प्रमुख प्यारेलाल जी , विभाग मंत्री (विश्व हिंदू परिषद) रवि सेन जी,लक्ष्मी सेठ, हरिकेश पाण्डेय जी वतन तिवारीजी, पवन, सभासद प्रशांत जायसवाल, प्रशांत श्रीवास्तव, सूरज सिंह, सुभाष सिंह, मोहन सिंह, अरुण प्रताप सिंह, बंटी सिंह, सुधा शंकर, गुड्डू, विजय, माता प्रसाद, दूधनाथ,सहित समस्त खंड कार्यकारिणी व स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वातावरण पारंपरिक वंदनाओं और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत रहा। सभी उपस्थित जनों ने समाज में एकता, अनुशासन, और देशभक्ति के भाव को और प्रबल करने का संकल्प लिया।

बाइक टैक्सी एग्रीगेटर नीति के क्रियान्वयन में यूनियनों ने डाली बाधा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की नई घोषित बाइक टैक्सी नीति, यात्रियों के लाभ के लिए बाइक टैक्सी सेवाओं को विनियमित करने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है, साथ ही गिग वर्कर्स के लिए सम्मानजनक आजीविका के अवसर भी पैदा करती है। इस नीति का उद्देश्य शहरी आवागमन के इस किफायती, पारदर्शी और सुरक्षित साधन को औपचारिक रूप देना है, जिससे लचीले या पूर्णकालिक काम की तलाश कर रहे हजारों लोगों के लिए आय के नए स्रोत खुलेंगे। बाइक टैक्सी ऑटो से 40% और कैब से 56% सस्ती हैं, जिससे ये शहरों में सबसे किफायती साझा परिवहन विकल्प बन जाती हैं। यात्रियों के लिए, इसका मतलब तेज, विश्वसनीय और बजट-अनुकूल परिवहन है। युवाओं, परिवार में कमाने वालों और बढ़ती संख्या में महिलाओं के लिए, यह आय का एक सम्मानजनक स्रोत प्रदान करती है, जिसकी संभावित मासिक आय काम के घंटों के आधार पर 15,000 से 35,000 रुपये तक हो सकती है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सात वर्षों के भीतर, बाइक टैक्सियाँ एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में 1.5-3 लाख रोजगार के अवसर पैदा कर सकेंगी। रोजगार सृजन के अलावा, इससे स्थानीय आय के अवसर उपलब्ध कराकर छोटे शहरों से पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी।

हालाँकि यह नीति खुलेपन और समावेशिता को दशार्ती है, लेकिन वर्तमान अपारदर्शी और उच्च-लागत वाले परिवहन तंत्र से लाभान्वित कुछ निहित स्वार्थी समूह इसके कार्यान्वयन में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। नीति निमार्ताओं को ऐसे प्रतिरोध से परे देखना चाहिए और महाराष्ट्र के निवासियों के कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए। राज्य की नीति पर बोलते हुए बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन (महिला विंग) की महाराष्ट्र अध्यक्ष सोनाली शिंदे ने कहा कि बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन (महिला विंग) महाराष्ट्र सरकार द्वारा महिला सवारियों को सशक्त बनाने और घरेलू स्थिरता में योगदान देने वाली बाइक टैक्सी नीति लाने के फैसले का तहे दिल से स्वागत करती है। बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन (पुरुष विंग) के महाराष्ट्र अध्यक्ष कुणाल मोरे ने भी बताया कि बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन (पुरुष विंग) शहरी परिवहन में स्व-रोजगार के अवसरों को मान्यता देने वाली प्रगतिशील और समावेशी नीति शुरू करने के लिए महाराष्ट्र सरकार की सराहना करता है। यह पहल नागरिकों के लिए किफायती, तेज और विश्वसनीय गतिशीलता सुनिश्चित करते हुए आजीविका को मजबूत बनाती है।

नानावटी मैक्स हॉस्पिटल ने स्पिरिट ऑफ पिंक वॉकाथॉन का आयोजन किया

मुंबई। विश्व स्तन कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने स्पिरिट ऑफ पिंक वॉकाथॉन का आयोजन किया। यह स्तन कैंसर की जल्दी जांच एवं नियमित स्क्रीनिंग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई उल्लेखनीय सामुदायिक पहल है। इस वॉकाथॉन में स्तन कैंसर सर्वाइवर एवं उनकी देखभाल करने वालों (केयरगिवर्स) समेत 350 से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी ने पारंपरिक गुलाबी रंग की पगड़ी पहनी हुई थी, जो ताकत, एकजुटता और आशा का प्रतीक है। 80 वर्षीय फिटनेस आइकॉन एवं मॉडल-एथलीट मिलिंद सोमन की मां सुश्री उषा सोमन इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने औपचारिक फ्लैग ऑफ का नेतृत्व किया और जुहू, विले पार्ले (ईस्ट) में 5 किलोमीटर की वॉक में प्रतिभागियों के साथ शामिल हुईं। उन्होंने अपनी मजबूत उपस्थिति और अच्छे स्वास्थ्य को लेकर अपने संदेश के माध्यम से उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। आयोजन की शुरूआत सुबह 6:30 बजे एक हाई एनर्जी म्यूजिकल वार्म-अप से हुई। इसके बाद कैंसर विशेषज्ञों के साथ प्रेरक चर्चा और कैंसर सर्वाइवर्स एवं केयरगिवर्स के साथ संवाद हुआ। इन चचाओं से जल्दी जांच एवं समय पर इलाज का महत्व सामने आया।

इंगरसोल रैंड ने गुजरात के साणंद में नई फैक्ट्री खोली, भारत में बढ़ाई अपनी उपस्थिति

गुजरात। इंगरसोल रैंड (इंडिया) लिमिटेड, जो इंगरसोल रैंड इंक. की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ने आज गुजरात के साणंद में अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री का उद्घाटन किया। यह भारत में कंपनी की नवीनतम सुविधा है, जो नवाचार, स्थायित्व और क्षेत्रीय विकास के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इंगरसोल रैंड इंक. एक विश्व स्तर की कंपनी है जो महत्वपूर्ण तरल पदार्थ बनाने (मिशन-क्रिटिकल फ्लो क्रिएशन), जीवन विज्ञान (लाइफ साइंस) और औद्योगिक समाधानों में अग्रणी उत्पाद प्रदान करती है। पहले चरण में इस फैक्ट्री की उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 24,000 यूनिट्स से अधिक होगी, और भविष्य में विस्तार के लिए चरणबद्ध निवेश की योजना बनाई गई है। नई फैक्ट्री भारत में इंगरसोल रैंड के सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है और इससे वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी का मौजूदा संयंत्र पहले से ही 60,000 इकाइयों प्रति वर्ष की पूर्ण क्षमता पर काम कर रहा है; ऐसे में साणंद संयंत्र अतिरिक्त उत्पादन क्षमता को सामने लाएगी। यह इंगरसोल रैंड की मेक इन इंडिया पहल के प्रति प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है - जो वैश्विक निर्यात लक्ष्यों, सटीकता, विश्वसनीयता और ऊर्जा दक्षता के प्रति कंपनी की निष्ठा के अनुरूप है, और अपने मूल उद्देश्य मेकिंग लाइफ बेटर (जीवन को और बेहतर बनाने के संकल्प) को साकार करता है। इस अवसर पर, सुनील खंडूजा, मैनेजिंग डायरेक्टर, इंगरसोल रैंड इंडिया, ने इस निवेश के सुचारू क्रियान्वयन पर गुजरात सरकार के सक्रिय सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, भारत में सौ साल से ज्यादा समय से हमारी मौजूदगी के आधार पर यह निवेश हमारे क्षेत्रीय लक्ष्यों को और मजबूत करता है। यह स्थानीय जरूरतों के हिसाब से उन्नत वैश्विक तकनीकों को लाने में मदद करेगा और टिकाऊ उत्पादन, उच्च स्तर की प्रतिभा और वैश्विक नवाचार में भारत की बढ़ती भूमिका को और मजबूत करेगा।

दिवाली की छुट्टियों में स्कूली छात्रों को मंत्री सरनाईक का विशेष उपहार

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति) मीरा भायंदर हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी 17 नवंबर से आम जनता के लिए खुली रहेगी। दिवाली के पावन अवसर पर मीरा-भायंदर कर के लिए एक गौरवशाली क्षण आया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में और महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के सहयोग से मीरा-भायंदर शहर में हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के नाम पर 180 करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत कर एक भव्य आर्ट गैलरी का निर्माण किया गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि यह आर्ट गैलरी 17 नवंबर को शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर नागरिकों के लिए खोली जाएगी। 18 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक स्कूली छात्रों के लिए निःशुल्क प्रवेश, उद्देश्य छात्रों को नई तकनीकों से परिचित कराना। मंत्री सरनाईक ने बताया कि दिवाली की छुट्टियों में स्कूली छात्रों के खेलने के लिए नई तकनीक आधारित एआई प्रणाली से निर्मित एक प्लेरूम (किड्स जोन) मीरा-भायंदर में 18 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक छात्रों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। हालाकि, इसके लिए पूर्व-पंजीकरण अनिवार्य होगा। मंत्री सरनाईक ने बताया कि इसका उद्देश्य दिवाली की छुट्टियों में छात्रों को विज्ञान के महत्व से अवगत कराना और उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराना है। इस आर्ट गैलरी में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके बालासाहेब ठाकरे का होलोग्राम प्रदर्शित किया जाएगा। उनकी जीवन यात्रा, विचारधारा और शिवसेना की स्थापना के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनियां भी यहां प्रदर्शित की जाएंगी। यह आर्ट गैलरी कला प्रेमियों, कलाकारों और बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, सभी को एक ही छत के नीचे रचनात्मकता, संस्कृति और मनोरंजन के संगम का अनुभव कराएगी। डिजिटल इंटरैक्टिव मीडिया के माध्यम से, नागरिक इस आर्ट गैलरी में बालासाहेब के कार्यों और उनके भाषणों का अनुभव कर सकेंगे। आईईएस, आईपीएस, आईएनएस, यूपीएससी, एमपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को एकाग्र मन से अध्ययन करने और अपनी परीक्षाओं की तैयारी करने में मदद करने के लिए आर्ट गैलरी में एक स्टडी जोन' बनाया गया है। इस आर्ट गैलरी में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सुने जाने वाले पुराने गीतों का एक संग्रह भी उपलब्ध कराया गया है।

इस आर्ट गैलरी में मल्टीमीडिया ऑडियो विजुअल प्रदर्शनी, डिजिटलीकरण, विजुअल एवं साउंड सिस्टम के साथ-साथ एम्फीथिएटर, संग्रहालय, ई-लाइब्रेरी, संगीत केंद्र, अध्ययन कक्ष, बहुउद्देशीय हॉल, सम्मेलन कक्ष, कैफेटेरिया, क्षेत्र में भूदृश्य उद्यान, पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं, सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, लघु कचरा पुनर्चक्रण, आदि सुविधाएं शामिल होंगी। नागरिक इस आर्ट गैलरी का अनुभव कर सकेंगे। दिवंगत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी के बारे में बोलते हुए, मंत्री सरनाईक कहते हैं। लेफ्टिनेंट हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे कलादलन स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के नाम पर महाराष्ट्र की पहली आर्ट गैलरी होगी। और मुझे बेहद गर्व है कि इसे मीरा-भायंदर में खोला जा रहा है। यह केंद्र, जो कला, संस्कृति और नई पीढ़ी की रचनात्मकता के लिए गुंजाइश प्रदान करेगा, शहर की प्रगति में एक नया चरण है। स्वर्गीय हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर मीरा-भायंदर कर को दिया गया यह उपहार पूरे राज्य में शहर की एक अलग पहचान बनाएगा।

कट्टा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

मुंगराबादशाहपुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के नीभापुर गांव के निकट नहर पर मंगलवार दोपहर पुलिस ने एक संदिग्ध को कट्टा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया तथा उक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पाण्डेय व चौकी प्रभारी सतहरिया गंगासागर मिश्र हमराहियों के साथ गस्त कर रहे थे मुखबिर खास से सूचना दोपहर पौने दो बजे सूचना प्राप्त हुई की एक युवक नहर पर संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ा है उक्त सूचना पर मयफोर्स वहां पहुंच गए और युवक को दबोच लिया । उक्त के पास एक कट्टा व एक कारतूस बरामद हुआ। पूछने पर उसने अपना नाम शिवकुमार यादव निवासी कबीरपुर बताया इस संदर्भ में पूंछे जाने पर थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि वह मनबढ़ किस्म का है उक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

निर्माणाधीन मकान से गिरकर मजदूर की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कस्बे में एक निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे हुई। मृतक की पहचान तेजी बाजार थाना क्षेत्र के सरौली गांव निवासी 27 वर्षीय अजय हरिज के रूप में हुई है। अजय हरिज चौथी मंजिल से प्लाई नीचे दे रहा था, तभी अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। वह चार मंजिला ऊंचाई से नीचे गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। अजय, सरोखनपुर निवासी ठेकेदार रामजीत हरिजन के अधीन काम कर रहा था। यह मकान बदलापुर कस्बा निवासी दीपक निगम पुत्र बंशीधर निगम का था, जहाँ निर्माण कार्य चल रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे ने एक बार फिर निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों और श्रमिकों के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ठेकेदारों द्वारा मजदूरों को हेलमेट,हैनमेट सेफटी बेल्ट और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध न कराये जाने से ऐसे हादसे होते है।

चाकू मारकर लाखों का आभूषण लूटने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के धन्नेपुर फायर ब्रिगेड के पास शाहगंज हाइवे किनारे एक घर में घुसकर एक अज्ञात युवक महिला को चाकू मारकर लाखों के गहने लेकर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे अनील पाल के घर में केवल उनकी पत्नी अपने दुधमुहे बच्चे के साथ मौजूद थी। पति अनिल जी एक प्राइवेट स्कूल में अध्यापक हैं। सुबह ही घर से स्कूल चले गये थे। घर में सास राजपति, ससुर राम अकबाल पाल थे। वह भी सुबह अपनी पत्नी को दवा दिलाने अस्पताल चले गये थें घर पर बहू पिंकी के दुधमुहे बच्चे के अलावा कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। राजपति देवी एवं उदयराज ने बताया कि मौका पाकर दिनदहाड़े अज्ञात हमलावर घर में घुस गया। घर में मौजूद महिला पर चाकू से हमला कर दिया जिससे महिला का दाहिना हाथ के पंजे कट गये। महिला डर गई थी। इसके बाद अज्ञात हमलावर महिला के साथ सास–ससुर के गहनों के साथ घर में छोटे बेटे के होने वाली शादी के लिए बनवाए गए गहनों को लूटकर भाग गया। महिला घर बाहर निकलकर शोर मचाया तब स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई तब तक अज्ञात हमलावर फरार हो चुका था।

स्वास्थ्य विभाग की कुंभकरणींय नींद टूटने से, मां प्रेमा हॉस्पिटल हुआ सील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले का स्वास्थ्य महकमा इन दिनों लगातार सुर्खियों में बना हुआ है और हो भी क्यों न जब विभाग पर लगातार नागरिकों के जान के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को समाजसेवी जंगबहादुर राठौर ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित डीएम कार्यालय के सामने पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने का प्रयास किया तो मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे बचा लिया। इस दौरान जेबी राठौर ने स्वास्थ्य महकमे पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए यह कहा था कि उनके गांव कोतवाली क्षेत्र के रसूलाबाद मोहल्ले में मां प्रेमा हॉस्पिटल के नाम से बगैर किसी डिग्री के सुनील नाम का युवक अपने को डॉक्टर बताकर हॉस्पिटल संचालित कर रहा है। यही नहीं यहां पर 2 वर्ष पूर्व एक नाबालिग द्वारा नॉर्मल बच्चे की डिलीवरी के बाद उसे वाराणसी में बेचने का कार्य भी इस हॉस्पिटल द्वारा किया गया था जिसमें कई लोग शामिल थे।

इस घटना को गंभीरता से लेते हुए डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने सीएमओ डॉ. लक्ष्मी सिंह ने जांच के लिए टीम गठित करते हुए मंगलवार को एडिशनल सीएमओ राजीव यादव के नेतृत्व में रसूलाबाद स्थित उस हॉस्पिटल में पहुंचकर जांच की गई तो वहां से कथित डॉक्टर सुनील कुमार फरार हो गया। यही नहीं सूचना मिलने पर उस हॉस्पिटल में जो मरीज ऑपरेशन के बाद भर्ती थे उन्हें भी कुछ ही दूर पीछे एक व्यक्ति के आवास पर वार्ड बनाकर इलाज किया जा रहा था। सूचना मिलने के बाद टीम जब वहां पर जब पहुंची तो दो मरीज वहां से भागते हुए नजर आए। उनसे जब पूछा गया तो वे कुछ खास जवाब नहीं दे सके। मौके पर पहुंची स्वास्थ्य महकमे की टीम ने देखा कि नीचे एक कमरे में पूरा वार्ड बना हुआ था और डॉक्टर की जांच के सारे उपकरण मौजूद थे। फिलहाल

एडिशनल सीएमओ राजीव यादव का कहना है कि पूरे मामले की जांच की रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दी जाएगी और उसके बाद ही जो तथ्य सामने आएगा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से आस-पास के क्षेत्रों में हड़कंप मचा हुआ है। सीएमओ डॉ. लक्ष्मी सिंह ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों के बाद छापेमारी की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, जितने भी अवैध हॉस्पिटल संचालित हो रहे हैं, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर पुलिस सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

मुंबई से लौटे व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, पोस्टमार्टम पर परिवार में विवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के गोपालापुर स्थित रमईपुर गांव में मुंबई से लौटे एक 40 वर्षीय व्यक्ति अजय तिवारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक की मौत के बाद उसके शव के पोस्टमॉर्टम को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच विवाद खड़ा हो गया जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पडा। मृतक अजय तिवारी सोमवार सुबह अपनी पत्नी कुसुम देवी, बेटे आकाश और दो बेटियों उर्वशी व हशिता तिवारी के साथ मुंबई से अपने पैतृक गांव पहुंचे थे। परिवार के अनुसार, अजय तिवारी मंगलवार सुबह मृत पाए गए। मृतक की पत्नी कुसुम देवी ने बताया कि अजय के पिता शिवसागर की मृत्यु लगभग 20 साल पहले हो गई थी। उनकी 12 बिस्वा जमीन थी, जो इंद्रावती, अजय तिवारी, विजय तिवारी और अमित तिवारी के नाम पर विरासत में दर्ज हुई थी। अमित तिवारी की 10 साल पहले मुंबई में एक ट्रेन दुर्घटना में मौत हो गई थी।

कुसुम देवी का आरोप है कि अजय की मां इंद्रावती देवी ने 2011 में महाराष्ट्र में दूसरी शादी कर ली थी। इंद्रावती और विजय तिवारी ने मिलकर अगस्त माह सन 2025 में 12 बिस्वा में से 9 बिस्वा जमीन बेच दी। जैसे ही अजय तिवारी को इस बिक्री की जानकारी मिली, वह मुंबई से गांव लौट आए। बताया जा रहा है कि जमीन का मुआयना करने के बाद वह डिप्रेशन में थे। अजय की मौत की सूचना उनकी पत्नी ने सास इंद्रावती देवी को दी। इंद्रावती देवी और उनके बेटे विजय तिवारी ने रामपुर थाने में पोस्टमॉर्टम के लिए सूचना दी। हालांकि, मृतक की पत्नी और बेटे का कहना है कि वे पोस्टमॉर्टम नहीं कराना चाहते। वहीं, मृतक की मां और भाई का कहना है कि वे मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमॉर्टम कराना चाहते हैं। सूचना मिलने पर गोपालापुर चौकी इंचार्ज मंगूराम यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पोस्टमॉर्टम कराने और न कराने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। पुलिस फिलहाल दोनों पक्षों को समझाने-बुझाने में लगी हुई है और मामले की जांच कर रही है।

बाइक बनी आग का गोला, बाल-बाल बचा युवक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर स्थित कटरा मार्ग पर गौरी डेरी के पास मंगलवार सुबह एक हादसे में बाइक पलटते ही आग का गोला बन गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नगर के अंजही मोहल्ला निवासी प्रदीप केसरवानी सुबह करीब आठ बजे दूध लेने गौरी डेरी गए थे। दूध लेकर लौटते समय जैसे ही उन्होंने बाइक स्टार्ट की, सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक पलट गई और देखते ही देखते उसमें आग भड़क उठी। आग इतनी तेज थी कि पलभर में पूरी बाइक आग के गोले में तब्दील हो गई। आसपास के लोगों ने पानी डालकर और रेत फेंककर किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। हादसे में प्रदीप केसरवानी हल्के रूप से झुलस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने प्राथमिक उपचार दिलाया। बाइक में आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेट्रोल लीकेज के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की संभावना लोगो द्वारा जताई जा रही है।

जौनपुर में मात्र दो घंटे में शिकायतकर्ता की समस्या का हुआ निस्तारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी के समक्ष वयोवृद्ध रघुनंदन पुत्र गिरधारी जी निवासी नेवादा परगना व तहसील केराकत उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने संपूर्ण प्रपत्र के साथ जिलाधिकारी को बताया कि उन्हें अभिलेखों में मृतक दशार्ते हुए उनकी भूमि वरासत के आधार पर अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज हो गई है। रघुनंदन ने यह भी बताया कि आज पहली बार वह जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए हैं।जिलाधिकारी ने प्रकरण पर तत्काल संज्ञान लेते हुए नायब तहसीलदार और लेखपाल को गांव में जाकर सत्यापन करने के निर्देश दिए तथा रघुनंदन जी को आश्वस्त कराया कि आज ही उनकी शिकायत का निस्तारण कर दिया जाएगा। जिसके क्रम में मात्र 2 घंटे के अंदर नायब तहसीलदार और लेखपाल के द्वारा गांव में जाकर तस्कीद करते हुए अभिलेख में पुनर्जीवित किया गया। इनको अभी खतौनी प्राप्त नहीं हुई थी,संपूर्ण घटनाक्रम की जांच करने पर अभिलेखों में पुनर्जीवित करते हुए इन्हें आज जिलाधिकारी द्वारा खतौनी उपलब्ध करा दी गई। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने संबंधित तत्कालीन नायब तहसीलदार और लेखपाल के विरुद्ध के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 को दिए। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा उन्हें अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया गया। शिकायत के त्वरित निस्तारण पर रघुनंदन द्वारा शासन प्रशासन और जिलाधिकारी का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्स ने 360 वन एसेट के नेतृत्व में सीरीज बी फंडिंग में 110 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई। पुनरुत्पादक कृषि क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्सने सीरीज बी फंडिंग में 110 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं । इस फंडिंग में 360 वन एसेट, रेनमैटर इन्वेस्टमेंट्स, नरोत्तम सेखसरिया फैमिली ऑफिस और इग्नाइट ग्रोथ एलएलपी के राहुल गर्ग (पूर्व प्रेमजी इन्वेस्ट सीनियर पार्टनर) जैसे प्रमुख निवेशकों ने भाग लिया। इस निवेश राशि का उपयोग कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय विस्तार करने और कार्यकुशलता में सुधार करने के लिए किया जाएगा। चौथी पीढ़ी के किसान अजिंक्य और सत्यजीत हंगे द्वारा स्थापित टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्स पोषक तत्वों से भरपूर, रासायनिक-मुक्त उत्पाद को पुनरुत्पादक खेती पद्धति माध्यम से खाद्य उत्पाद उगाकर फूड इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव ला रही है। कंपनी ने किसान कल्याण, मिट्टी आधारित स्थिरता और स्थानीय समुदायों की मदद पर ध्यान केंद्रित करते हुए अब तक 50 से अधिक देशों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है और ग्राहकों को पारदर्शी व शुद्ध भोजन पहुंचाने का काम किया है। टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्स एक ओमनीचैनल ब्रांड है, जिसने पिछले तीन साल में 8 गुना वृद्धि की है। वर्तमान में कंपनी ए2 कल्चर्ड घी, खपली आटा और कोल्ड-प्रेस्ड तेलों सहित 100 से अधिक उत्पाद देती है। कंपनी ने 200 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व (एआरआर) पार कर लिया है और भारत में रिटेल नेटवर्क बढ़ाने के साथ-साथ विदेशों में भी अपने व्यवसाय का विस्तार कर रही है। साथ ही कंपनी ने लगभग 10% CM2 के साथ आर्थिक स्थिरता भी मजबूत की है।

पराली जलाना दण्डनीय अपराध, लग सकता है रु.15 हजार तक जुमार्ना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फार इंनसीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेसिड्यू योजनान्तर्गत मंगलवार को कृषि विभाग द्वारा बीआरपी इण्टर कालेज परिसर में जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन गोष्ठी/मेला का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को खेतों में पराली न जलाने का सुझाव दिया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. आरके सिंह ने कहा कि किसान खेतों में पराली कदापि न जलाए, बल्कि बायो डी कम्पोजर से खाद बनाने एवं उन्नति शील कृषि यंत्रों से पराली प्रबंधन का सुझाव दिया तथा बताया कि सैटेलाइट से पकड़ें जाने पर दो एकड़ तक के कृषको पर रुपये 2500, पाच एकड़ तक पाच हजार रुपये तथा पाच एकड़ क्षेत्रफल से अधिक पराली जलाने पर रुपये 15 हजार जुमार्ना के साथ सारी सरकारी योजनाओं से बंचित कर दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि खेतों में पराली जलाने पर मनुष्य एवं जीव जन्तुओ के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, पराली को यथा स्थान मिट्टी में सड़ाने से मृदा का तापमान नियंत्रित रहता है, पीएच मान एवं मृदा की संरचना में सुधार होता है। मृदा की जल धारण क्षमता एवं वायु संचार बढ़ता है जिससे उत्पादन लागत में कमी एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा० सुरेश कुमार कन्नौजिया ने कम लागत में अधिक उत्पादन वाली प्राकृतिक खेती की जानकारी दिया। उन्होंने बताया कि खेतों में 1 टन पराली जलाने से 60 किग्रा कार्बन मोनोऑक्साइड, 1460 किग्रा कार्बनडाइऑक्साइड, 200 किग्रा राख एवं 2 किग्रा सल्फर ऑक्साईड उत्पन्न होती है जिससे मृदा संरचना खराब होती है तथा 1 टन पराली खेतों में सड़ाने से 5.50 किग्रा नाइट्रोजन 2.5 किग्रा फास्फोरस, 23 किग्रा पोटाश और 400 किग्रा जैविक कार्बन प्राप्त होते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता में सुधार होता है, पर्यावरण का संरक्षण होता है, मृदा का तापमान नियंत्रित रहता फलस्वरूप उत्पादन बढ़ता है। अध्यक्षता उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय तथा संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चन्द्र यादव ने किया गया। इस मौके पर जिला मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. ओपी श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी कमलजीत सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार, विद्यासागर यादव, विकास विश्वकर्मा, अशोक कुमार, महीप, रामशंकर, जुनेद अहमद, सन्ध्या सिंह, युगल तिवारी आदि किसान मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार भाई-बहन की मौत, चाची गंभीर रूप से घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जंसा क्षेत्र में मंगलवार सुबह रिंग रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनकी चाची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों ने रिंग रोड पर जाम लगाकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा- बुझाकर शांत कराया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पहचान अतुल कुमार (19) और उसकी चचेरी बहन परी (10) के रूप में हुई है। दोनों अपने गांव कपरफोरवा से अपनी चाची सोनी देवी के साथ अपाचे बाइक पर बैठकर मेले में खरीदारी करने जा रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही तीनों गांव से कुछ दूरी पर पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अतुल और परी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सोनी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें पुलिस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और रो-रोकर बुरा हाल हो गया।वहीं डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल, एसीपी राजातालाब और इंस्पेक्टर जंसा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रिंग रोड पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि ट्रक और चालक का पता लगाया जा सके। पुलिस ने बताया कि आरोपी वाहन की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश की जा रही है।

किसान का संघर्ष रंग लाया, विद्युत विभाग ने पूरी की मांग

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के गांव दाउदपुर कोटिया निवासी किसान संजय सरोज पुत्र अमरनाथ का संघर्ष आखिरकार रंग लाया। बीते सप्ताह से वे अपने विद्युत कनेक्शन की समस्या को लेकर गोपालपुर विद्युत उपकेंद्र पर धरने पर बैठे थे। किसान का कहना था कि उन्होंने सभी आवश्यक कागजातों के साथ निर्धारित शुल्क जमा कर दिया था, बावजूद इसके विभाग की ओर से गेट पास जारी नहीं किया जा रहा था, जिससे उनके खेतों की सिंचाई बाधित हो रही थी। धरने की जानकारी मिलने पर जेई विवेक कुमार मौके पर पहुंचे और किसान को आश्वासन दिया कि उनका कार्य एक सप्ताह के भीतर पूरा कर दिया जाएगा। इस भरोसे के बाद संजय सरोज ने धरना समाप्त कर दिया था। वहीं आज मंगलवार को विद्युत विभाग जौनपुर की ओर से पोल, तार और अन्य आवश्यक सामग्री ट्रैक्टर द्वारा किसान के घर पहुंचाई गई। इससे अब उनके खेतों में सिंचाई हेतु बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। किसान संजय सरोज ने खुशी जताते हुए कहा कि अब वे बिना किसी रुकावट के अपने खेतों में पानी भर सकेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों, विशेष रूप से जेई विवेक कुमार, का आभार प्रकट किया। ग्रामीणों ने भी विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि इससे अन्य किसानों को भी अपनी समस्याओं के समाधान की नई उम्मीद जगी है।